

SHARE	
सेंसेक्स	: 78,553.20
निफ्टी	: 23,851.65
SARAFSA	
सोना	: 9,100
चांदी	: 110.00
(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)	
BRIEF NEWS	

### नहीं रही मशहूर लेखिका डॉ. रोज केरकेट्ट

**RANCHI** : गुरुवार को झारखंड आंदोलनकारी और मशहूर लेखिका डॉ. रोज केरकेट्ट का निधन हो गया। खड़िया भाषा के अलावा वह हिंदी की भी एक प्रमुख लेखिका, शिक्षाविद तथा मानवाधिकारकर्मी थीं। इस संबंध में

लेखक एक पंक्ज ने सोशल मीडिया के जरिए जानकारी साझा की है। 5 दिसंबर 1940 को उनका जन्म सिमडेगा (झारखंड) के कइसरा सुंदरा टोली गांव में खड़िया आदिवासी समुदाय में हुआ था। झारखंड की आदिवासी जिजीविषा और समाज के महत्वपूर्ण सवाल को सुजनशील अभिव्यक्ति देने के साथ ही जनांदोलनों को बौद्धिक नेतृत्व प्रदान करने तथा संघर्ष की हर राह में वह अग्रिम पंक्ति में शामिल रही। केरकेट्ट ने कई देशों की यात्राएं की थी। राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अनेक पुरस्कारों से सम्मानित भी हो चुकी थीं। डॉ. रोज के निधन की सूचना पर शिक्षाविदों, लेखकों सहित अन्य लोगों ने शोक जताया है।

### आज स्वीडेन-स्पेन के लिए रवाना होंगे सीएम हेमंत

**RANCHI** : शुक्रवार यानी 18 अप्रैल को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन टीम के साथ विदेश दौरे पर रवाना होंगे। टीम 27 अप्रैल तक स्वीडन और स्पेन के दौरे पर रहेगी। सीएम को यात्रा के लिए पॉलिटेक्निक व्हीयररेंस मिल गया है। उद्योग विभाग के अफसरों ने कहा कि दोनों देशों के उद्यमियों को झारखंड में औद्योगिक निवेश के लिए आमंत्रित किया जाएगा। झारखंड में कई तरह खनिज भंडार है। जमशेदपुर में वाहन उद्योग और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं। ईवी, पवन और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी उद्यमियों को निवेश के लिए आकर्षित किया जाएगा।

### जेपीएससी घोटाला केस में 6 आरोपियों ने किया सरेंडर

**RANCHI** : गुरुवार को प्रथम जेपीएससी घोटाला के छह आरोपियों ने रांची सीबीआई कोर्ट में सरेंडर किया है। जिन आरोपियों ने कोर्ट में सरेंडर किया है, उसमें सीमा सिंह, सुष्मा सोरेन, ज्योति झा, कमलेश नारायण, संजीव कुमार और राजीव कुमार शामिल हैं। सभी आरोपियों ने कोर्ट के समक्ष दस-दस हजार के दो-दो निजी मुचलके भी धरे हैं। दरअसल सीबीआई ने जेपीएससी घोटाला से संबंधित केस में पिछले वर्ष वार्जशीट दाखिल की थी। जिसपर संहान लेते हुए कोर्ट ने सभी अभियुक्तों को खिलाफ समन जारी किया था। कोर्ट से समन जारी होने के बाद कई अभियुक्तों ने हाईकोर्ट से अग्रिम बेल मांगी थी। अग्रिम बेल के आग्रह को हाईकोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। इसके बाद सरेंडर और बेल बॉन्ड भरने की प्रक्रिया पूरी की गयी। सीबीआई ने जेपीएससी घोटाला से जुड़े इस केस में कांड संख्या 5/2012 दर्ज की है।

## चिंताजनक हालात : पूरी दुनिया में तेजी से बढ़ रहा मेडिसिन के अधिक प्रयोग का चलन

# पशुओं के लिए फायदेमंद नहीं नियमित एंटीबायोटिक का उपयोग

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :

अनेक कारणों से मनुष्य ही नहीं, पशुओं की सेहत पर भी रोग पैदा करने वाले जीवाणुओं और कीटाणुओं का अटक होति है। इनके संक्रमण को काटने के लिए एंटीबायोटिक दवाओं का इस्तेमाल किया जाता है। हाल के समय में पशुओं में ऐसी दवाओं के इस्तेमाल का चलन तेजी से बढ़ रहा है। यह न तो पशुओं की सेहत के लिए फायदेमंद है और न ही दूध देने वाले पशुओं में इससे दूध देने की क्षमता बढ़ती है। विशेषज्ञों के अनुसार, इससे पशुओं के दूध देने की क्षमता कम हो सकती है। इसे लेकर संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से चेतावनी जारी की गई है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने अपने एक महत्वपूर्ण अध्ययन में इस तथ्य का खुलासा किया है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो 2040 तक दुनियाभर में पशुओं में एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग करीब 30 फीसद तक बढ़ सकता है। इस संबंध में प्रतिष्ठित जर्नल नेचर कम्युनिकेशंस में विस्तार से रिपोर्ट प्रकाशित की गई है।

## इन दवाओं के ज्यादा यूज को लेकर संयुक्त राष्ट्र संघ ने जारी की है चेतावनी यूएनओ के खाद्य और कृषि संगठन ने लंबे समय तक किया है विशेष अध्ययन

वर्तमान रफ्तार जारी रही तो सेहत सहित दुग्ध उत्पादन पर पड़ेगा असर

प्रतिष्ठित जर्नल नेचर कम्युनिकेशंस में विस्तार से प्रकाशित की गई है रिपोर्ट

रिपोर्ट के अनुसार, भारत और चीन में तीन गुना तक अधिक खतरा

अभी की गति से इन दवाओं के इस्तेमाल में साल 2040 तक 30% तक वृद्धि संभव

एशिया व प्रशांत क्षेत्र में 64.6 फीसद से अधिक हो रहा एंटीबायोटिक का इस्तेमाल

बढ़ती जा रही बैक्टीरिया की प्रतिरोधक क्षमता

शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि खेती और पशुपालन में एंटीबायोटिक के अत्यधिक उपयोग से बैक्टीरिया की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ रही है। इससे पशुओं के साथ मानव प्रतिरक्षा प्रणाली पर गंभीर

# योजनाएं पारदर्शी व समयबद्ध हों, तभी मिलेगा जनता को लाभ : सीएम

PHOTON NEWS RANCHI :

गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड मंत्रालय में सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और सचिवों के साथ विकास योजनाओं को लेकर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश दिया कि वे वित्तीय वर्ष 2025-26 में कम से कम तीन ऐसी योजनाओं का चयन करें, जिन्हें एक से डेढ़ वर्ष के भीतर पूरा कर राज्य की जनता को समर्पित किया जा सके। बैठक में मुख्य सचिव अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार सहित सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, बजट प्रबंधन और विभागीय समन्वय पर भी गहन चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि चयनित योजनाएं धरातल पर तय समय सीमा के भीतर प्रभावी ढंग से क्रियान्वित होनी चाहिए। योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की कोताही या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

## मुख्यमंत्री हेमंत ने अधिकारियों संग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक योजनाओं को निर्धारित समय में धरातल पर उतारने का दिया निर्देश



समस्याओं का निकालें त्वरित समाधान

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं के संचालन में अगर कोई समस्या आती है तो उसका त्वरित समाधान निकाला जाए। उन्होंने विशेष रूप से ध्यान दिलाया कि ऐसी योजनाएं चुनी जाएं, जिनका सीधा और ठोस प्रभाव जनता के

बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गमी के मीसम से पहले पेयजल की व्यवस्था सुदृढ़ कर ली जाए। मौनसून से पहले जल प्रबंधन की योजना, जाड़े के पहले कबल वितरण तथा नए शैक्षणिक सत्र से पहले विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री और साइकिलों का वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कई योजनाएं ऐसी हैं, जिनका समय से पहले पूरा होना जनता के लिए राहत भरा

## कर्मचारियों के लिए बड़ी सौगात : मिलेगा एक करोड़ का दुर्घटना बीमा

# सरकारी कर्मियों की आर्थिक सुरक्षा के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत : हेमंत सोरेन

गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की उपस्थिति में झारखंड सरकार के वित्त विभाग और भारतीय स्टेट बैंक के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। इस समझौते के तहत राज्य सरकार के उन कर्मचारियों को बड़ा लाभ मिलेगा, जिनका सैलरी अकाउंट एसबीआई में है। अब ऐसे कर्मचारियों को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के एक करोड़ रुपये तक का दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा सहित कई बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध होंगी। वित्त विभाग की



मुख्यमंत्री की मौजूदगी में वित्त विभाग और एसबीआई के बीच हुआ एमओयू

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में वित्त विभाग और एसबीआई के बीच हुआ एमओयू

## सुप्रीम कोर्ट में दूसरे दिन हुई सुनवाई, पांच मई को अगली हियरिंग

# वक्फ अधिनियम की वैधता पर 7 दिनों में जवाब दे केंद्र सरकार

NEW DELHI @ PTI :

गुरुवार को वक्फ संशोधन कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने दूसरे दिन सुनवाई हुई। कोर्ट ने केंद्र सरकार के इस आश्वासन को दर्ज कर लिया कि पांच मई तक वक्फ बाय यूजर समेत वक्फ संपत्तियों को गैर-अधिसूचित नहीं किया जाएगा और न ही केंद्रीय वक्फ परिषद तथा वक्फ बोर्डों में नियुक्तियों की जाएंगी। वक्फ बाय यूजर संपत्ति लंबे समय से धार्मिक या परोपकारी उद्देश्य से इस्तेमाल की जा रही संपत्ति होती है, जिसके लिए लिखित दस्तावेज या रजिस्ट्री की जरूरत नहीं होती। केंद्र ने वक्फ बाय यूजर समेत वक्फ संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने के खिलाफ अंतरिम आदेश पारित करने और केंद्रीय वक्फ परिषदों व बोर्डों में गैर-मुस्लिमों को नियुक्त करने की अनुमति देने वाले प्रावधान पर रोक लगाने के

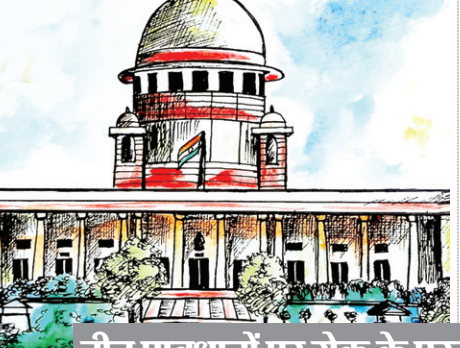
## अगले आदेश तक संपत्तियों की स्थितियों में भी नहीं होगा बदलाव

नए अधिनियम के तहत नियुक्तियों पर रहेगी रोक

सरकार के जवाब के बाद याचिकाकर्ताओं को 5 दिनों में देना होगा जवाब

अब 70 याचिकाओं की जगह सिर्फ 5 ही दायर की जाएंगी, उन्हीं पर होगी सुनवाई

कोर्ट ने कहा, सभी याचिकाकर्ता मुख्य बिंदुओं पर बनाए सहमति



तीन प्रावधानों पर रोक के प्रस्ताव का केंद्र ने किया विरोध

हम अंतिम रूप से नहीं ले रहे निर्णय

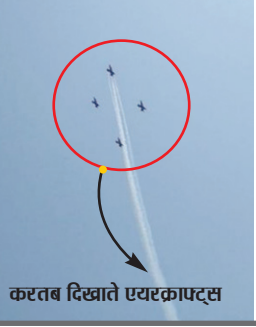
जस्टिस कुमार ने कहा कि हम अंतिम रूप से निर्णय नहीं ले रहे हैं। एसजी ने कहा कि लेकिन यह एक कठोर कदम है। कृपया मुझे कुछ दस्तावेजों के साथ प्रारंभिक जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय दें। यह ऐसा मामला नहीं है, जिस पर इस तरह से विचार किया जा सके। सीजेआई ने कहा कि हमने कहा था कि कानून में कुछ सकारात्मक बातें हैं। हमने कहा है कि पूर्ण रोक नहीं लगाई जा सकती। लेकिन हम यह भी नहीं चाहते कि मौजूदा स्थिति में बदलाव हो।

## कल से राजधानी के नामकुम स्थित खोजाटोली आर्मी मैदान में होना है एयर शो दो दिन पहले 6 एयरक्राफ्ट ने दिखाए हैरतअंगेज करतब

PHOTON NEWS RANCHI :

राजधानी रांची के नामकुम स्थित खोजाटोली आर्मी मैदान में 19 और 20 अप्रैल को भारतीय वायुसेना का एयर शो होना है। इसके पहले गुरुवार को खोजाटोली आर्मी मैदान में एयर शो का रिहर्सल हुआ। सुबह करीब 10:15 बजे से 10:45 बजे तक सूर्य किरण टीम ने 6 एयरक्राफ्ट के साथ रिहर्सल किया। एयर शो की रिहर्सल शुरू होते ही अचानक तेज गर्जन के साथ नामकुम इलाका गुंज उठा। 6 एयरक्राफ्ट एक साथ आसमान को

## कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए जिला प्रशासन के साथ जुटी है वायु सेना की टीम



करतब दिखाते एयरक्राफ्ट्स

गवर्नर व सीएम को कार्यक्रम का निमंत्रण

शनिवार और रविवार को होने वाले एयर शो को लेकर जिला प्रशासन की तैयारियां जोरों-शोरों से चल रही हैं। वायु सेना की टीम भी इस पल को यादगार बनाने में लगी है। मैदान में एक बड़ा मंच बनाया गया है। इसके अलावा बड़े क्षेत्र में बैरिकेडिंग भी की गयी है। बैरिकेडिंग के बाहर दर्शकों के बैठने की व्यवस्था की जा रही है। एयर शो में भ्रमित और बाद में उत्साहित नजर आयें। रिहर्सल के दौरान 4 एयरक्राफ्ट एक साथ और 2 कार्यक्रम में शामिल होने के लिए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी आमंत्रित किया गया है। उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री को निमंत्रण दिया है। इनके अलावा कई अन्य पदाधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसे लेकर नामकुम में मांस-मछली की दुकानें तीन दिन बंद रहेगी।



## छत्तीसगढ़ में तीन थाना क्षेत्रों से दो इनामी सहित 22 नवसली अरेस्ट

BIJAPUR : छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाकों में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने 2 इनामी सहित 22 नवसलियों को गिरफ्तार किया है।

● सुरक्षा बलों ने बड़ी संख्या में विस्फोटक सामग्री व अन्य उपकरण किए बरामद

उनके पास बड़ी संख्या में विस्फोटक सामग्री और उपकरण मिले हैं। यह कार्रवाई तीन अलग-अलग थाना क्षेत्रों में की गई। पुलिस के अनुसार सुरक्षाबलों के जवानों ने सर्चिंग के दौरान टेकमेटला के जंगल से

विस्फोटक के साथ 7 सक्रिय नवसलियों को गिरफ्तार किया है। जंगला थाना में भी जवानों को बड़ी सफलता मिली है, यहां से 6 सक्रिय नवसलियों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा थाना नेलसनार से 9 सक्रिय नवसलियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार नवसलियों के कब्जे से टिफिन बम, कार्डेस वायर, डेटोनेटर, बिजली का तार, बैटरी, खुदाई का औजार, नक्सल साहित्य, टंगिया जस्त किया गया है। नारायणपुर पुलिस कार्रवाई के अनुसार गिरफ्तार नवसलियों में देवा माडवी रेखापल्ली मिलिशिया सदस्य, वैनु माडवी रेखापल्ली मिलिशिया सदस्य, मल्ला माडवीरेखापल्ली मिलिशिया सदस्य, माडवी लखमा रेखापल्ली डीएफएमएस सदस्य, लाला मीरियम रेखापल्ली कृषि शाखा सदस्य, अंदा माडवी मारुडबाका आरपीसी जनता सदस्य शामिल हैं।

## 'लोकतांत्रिक ताकतों पर 'परमाणु मिसाइल' नहीं दाग सकता सुप्रीम कोर्ट'



NEW DELHI @ PTI :

गुरुवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने न्यायपालिका द्वारा राष्ट्रपति के निर्णय लेने के लिए समयसीमा निर्धारित करने और 'सुपर संसद' के रूप में कार्य करने को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय लोकतांत्रिक ताकतों पर 'परमाणु मिसाइल' नहीं दाग सकता। धनखड़ ने न्यायपालिका के प्रति यह कड़ी टिप्पणी राज्यसभा के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए की। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही उच्चतम न्यायालय ने राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचारार्थ रखे गए विधेयकों पर राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए समयसीमा तय की थी। धनखड़ ने कहा, इसलिए, हमारे पास ऐसे न्यायाधीश हैं, जो कानून बनाएंगे, जो कार्यपालिका के कार्य करेंगे, जो सुपर संसद के रूप में कार्य करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून

■ राज्यसभा के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने की कड़ी टिप्पणी

■ कहा - न्यायपालिका भारत के राष्ट्रपति को नहीं दे सकती निर्देश 'सुपर संसद' के रूप में कर रही कार्य

उन पर लागू नहीं होता है। उपराष्ट्रपति ने उच्चतम न्यायालय को पूर्ण शक्तियां प्रदान करने वाले संविधान के अनुच्छेद 142 को न्यायपालिका को चौबीसों घंटे उपलब्ध लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ 'परमाणु मिसाइल' करार दिया। उन्होंने कहा, ह्वाअनुच्छेद 142 लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ एक परमाणु मिसाइल बन गया है और (जो) न्यायपालिका के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध है।

## हमें बेहद संवेदनशील होना चाहिए

धनखड़ ने कहा, हाल ही में एक फैसले में राष्ट्रपति को निर्देश दिया गया है। हम किस दिशा में जा रहे हैं। देश में क्या हो रहा है। हमें बेहद संवेदनशील होना चाहिए। यह सवाल नहीं है कि कोई पुनर्विचार याचिका दायर करता है या नहीं। हमने इस दिन के लिए लोकतंत्र की कभी उम्मीद नहीं की थी। राष्ट्रपति को समर्थक तरीके से निर्णय लेने के लिए कहा जाता है और यदि ऐसा नहीं होता है, तो यह कानून बन जाता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि उनकी चिंताएं बहुत उच्च स्तर पर थीं और उन्होंने अपने जीवन में कभी नहीं सोचा था कि उन्हें ऐसा देखने को मिलेगा। धनखड़ ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को याद दिलाया कि भारत के राष्ट्रपति का पद बहुत ऊंचा है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति संविधान के संरक्षण, सुरक्षा और बचाव की शपथ लेते हैं। मंत्री, उपराष्ट्रपति, सांसद और न्यायाधीश सहित अन्य लोग संविधान का पालन करने की शपथ लेते हैं।

## बीते कुछ दिनों से बदला हुआ है मौसम का मिजाज झारखंड में पांच दिनों के लिए आंधी-तूफान का येलो अलर्ट

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड में बीते कुछ दिनों से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। राजधानी रांची समेत राज्य के विभिन्न जिलों में तेज हवाओं के बीच जमकर बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी पांच दिनों तक मौसम का हाल ऐसा ही बना रहेगा। झारखंड में अगले पांच दिनों के लिए आंधी-तूफान को छोड़कर अन्य सभी जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस सभी जिलों में कहीं 30-



● कहीं 30-40, तो कहीं 40-50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना

40 किलोमीटर प्रतिघंटा, तो कहीं 40-50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना जताई गई है। हालांकि 20 अप्रैल को मौसम हल्का सामान्य होने की उम्मीद है।



# किशोरी का अर्धनग्न अवस्था में मिला शव, दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका

दुमका जिले के मसलिया थाना क्षेत्र में छात्रा के साथ हुई वीभत्स घटना

AGENCY DUMKA :

जिला के मसलिया थाना क्षेत्र में एक 14 वर्षीय किशोरी की गड़्हे से अर्धनग्न अवस्था में शव गुरुवार को बरामद हुआ। पुलिस फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वाड के साथ मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। मृतका नौवीं की छात्रा थी, लड़की के पिता यात्री बस के चालक हैं। दरअसल यह पूरा मामला दुमका के मसलिया थाना क्षेत्र का है। जहां नौवीं कक्षा की एक छात्रा बुधवार देर शाम लगभग 7:30 बजे कुछ काम की बात कहकर घर से निकली। काफी समय बीतने के बाद जब वह घर नहीं लौटी तो परिजन चिंतित हुए। उन्होंने खोजबीन शुरू कर दिया, लेकिन वह नहीं मिली। गुरुवार सुबह घर वालों को कुछ ग्रामीणों



घटनास्थल पर जुटी भीड़ व मौजूद पुलिस के जवान

**क्या कहते हैं एसपी**  
एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने कहा कि एक किशोरी का शव बरामद हुआ है। पुलिस की टीम घटनास्थल की जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फॉरेंसिक जांच टीम और डॉग स्क्वाड को भी बुलाया गया। मृतका के अंतःस्त्रुत घटनास्थल पर ही पड़े थे। इससे इस बात की आशंका और बढ़ गई कि नाबालिग के साथ दुष्कर्म हुआ हो। आवश्यक जांच के बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसडीपीओ विजय कुमार महतो भी मौके पर पहुंचे। उनके जरिये जिला मुख्यालय से

के जरिये यह जानकारी हुई की लापता बेटी का शव उसके घर से लगभग 700 मीटर दूर एक सुनसान इलाके में स्थित गड़्हे में पड़ा हुआ है। किशोरी का शव अर्धनग्न अवस्था में था। इस मामले की जानकारी होते ही

आसपास के ग्रामीण सैकड़ों की संख्या में घटनास्थल पर जमा हो गए। लोगों के द्वारा मसलिया थाना को सूचित किया गया तो थाना प्रभारी धनंजय प्रजापति पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उनके जरिये जिला मुख्यालय से

## BRIEF NEWS

जमशेदपुर को हरा कर प. सिंहभूम फाइनल में



**CHAI BASA :** झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के तत्वावधान में खेले जा रहे अंतर जिला महिला सीनियर क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतिम लीग मैच में मेजबान पश्चिमी सिंहभूम ने जमशेदपुर को 77 रनों से पराजित कर फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया। अब शनिवार 19 अप्रैल को पश्चिमी सिंहभूम का मुकाबला रांची से होगा। चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पश्चिमी सिंहभूम की टीम 40 ओवर में 160 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी जमशेदपुर की पूरी टीम 39 ओवर में मात्र 83 रन बनाकर आल आउट हो गई। जमशेदपुर की ओर से कुमारी सविता ने 26 तथा पल्लिका राठौड़ ने 10 रन बनाए। अन्य कोई भी बल्लेबाज दहाई अंक तक नहीं पहुंच पाया।

ज्वेलरी दुकान में हुई चोरी का हुआ उद्घेदन



**PALAMU :** पलामू की जिला पुलिस ने छतरपुर की ज्वेलरी दुकान में चोरी की घटना का उद्घेदन कर दिया है। पुलिस ने चोरी का आभूषण खरीदने वाले सोनार को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार सोनार अभिषेक कुमारी बिहार राज्य के औरंगाबाद जिला अंतर्गत मदनपुर थाना क्षेत्र के दुधपि गांव का रहने वाला है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर शिवगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवगंज के लक्ष्मी ज्वेलर्स से चोरी के छह किलो चांदी से बने गहने व गला हुआ 14 ग्राम सोना बरामद किया है। अभियान एसपी राकेश कुमार सिंह ने गुरुवार को एसपी कार्यालय सभागार में पत्रकारों को बताया कि बीते नौ अप्रैल को छतरपुर की एक ज्वेलरी दुकान में चोरी हुई थी। इस मामले में भुक्तभोगी अशोक कुमार सोनी ने छतरपुर थाना में मामला दर्ज कराया था। इसके आलोक में छतरपुर एसडीपीओ अवध कुमार यादव के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया था।

अबुआ आवास के लाभुकों को दी गई किस्त की राशि



**HAZARIBAG :** राज्य सरकार की अति महत्वकांक्षी एवं कल्याणकारी अबुआ आवास योजना के सुयोग्य लाभुकों को किस्तों की राशि प्रदान की गई है। योजना अंतर्गत लाभुकों को आवास निर्माण के लिए चार किस्तों में दो लाख रुपये प्रदान किए जाते हैं। सर्व प्रथम स्वीकृति के पश्चात प्रथम किस्त के रूप में 30000/-, प्लॉथ स्तर तक कार्य करने के पश्चात द्वितीय किस्त के रूप में 50000/-, लिंटर स्तर तक कार्य करने के उपरांत तृतीय किस्त के रूप में 100000/- एवं आवास पूर्ण करने के पश्चात चतुर्थ किस्त के रूप में 20000 प्रदान किया जाता है। इसके साथ-साथ मनरेगा अभिषरण से लाभुक को 90 से 95 मानवविकास का भुगतान एवं स्वच्छ भारत मिशन से घरेलू शौचालय निर्माण के लिए 12000/- प्रदान करने का प्रावधान है। सभी किस्तों को मिलाकर अबतक 183.1190 करोड़ राशि का भुगतान लाभुकों के खाता में किया जा चुका है एवं 5.73 करोड़ राशि लाभुकों के खाता में भुगतान हेतु प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है।

रामगढ़ सदर अस्पताल में होगा कैंसर का इलाज



**RAMGARH :** रामगढ़ जिले वासियों को अब कैंसर संबंधित जांच कराने रांची का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। अब कैंसर स्पेशलिस्ट डॉ सतीश शर्मा हर रविवार को सदर अस्पताल में बैठेंगे। डॉ सतीश शर्मा रोगिया का इलाज निशुल्क करेंगे। उनका बैठने का समय हर गुरुवार को सुबह 10:30 बजे से लेकर दिन के 2:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। इसे लेकर गुरुवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन सीएस डॉ महालक्ष्मी ने किया।

झाड़-फूंक के चक्कर में वृद्ध की हुई थी हत्या, पांच हुए गिरफ्तार



**LATEHAR :** जिले के बरवाडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत मुगीडीह गांव में दो दिन पूर्व हुए बाल गोविंद सिंह हत्याकांड का खुलासा पुलिस ने गुरुवार को कर दिया। बाल गोविंद सिंह की हत्या ओझा गुनी के आरोप में उन्ही के गांव के पांच लोगों ने मिलकर कर दी थी। पुलिस ने सभी पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गिरफ्तार आरोपितों में बलराम सिंह, लोकेन्द्र सिंह, कामेश्वर राम, नेमा भुइया और संजय सिंह शामिल हैं। गुरुवार को प्रेस वार्ता करते हुए डीएसपी भरत राम ने बताया कि मुगीडीह गांव निवासी बाल गोविंद सिंह पर गांव के कुछ लोगों के जरिये ओझा गुनी का आरोप लगाया जाता था। दो दिन पूर्व बाल गोविंद सिंह शाम के समय अपने घर से बाहर निकले थे। इसी दौरान आरोपितों ने उन्हें पकड़ लिया और धारदार हथियार से मार कर उनकी हत्या कर दी। मामले की जानकारी होने के बाद पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और मुक्त के शव को कब्जे में ले लिया। इधर घटना के बाद लातेहार पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस की टीम गठित की गई और मामले की छानबीन आरंभ की गई। मामले की जांच के दौरान पाया गया कि बाल गोविंद सिंह पर कुछ लोगों के द्वारा ओझा गुनी का आरोप लगाया गया था।

## विवाहिता से प्रेम प्रसंग में हुई थी सिवान के युवक की हत्या, दो वर्ष पुराना मामला

पुलिस ने हत्या के आरोपी को औरंगाबाद के कुटुंबा थाना क्षेत्र से किया गिरफ्तार

PHOTON NEWS PALAMU :

पलामू की जिला पुलिस ने दो साल पुराने मृत्युंजय साह हत्याकांड का उद्घेदन कर दिया है। पुलिस ने मृत्युंजय साह की हत्या के आरोप में बिहार राज्य के औरंगाबाद के कुटुंबा थाना क्षेत्र अंतर्गत पिपरा बगाही के रहने वाले अमित मेहता उर्फ धर्मेन्द्र मेहता को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। अभियान एसपी राकेश कुमार सिंह ने गुरुवार को एसपी कार्यालय सभागार में पत्रकारों को बताया कि 21 जून 2023 को छतरपुर थाना क्षेत्र के देवगन जंगल से मृत्युंजय साह नाम के युवक का शव बरामद हुआ था। उसकी गोली मार कर हत्या की गई थी। मृत्युंजय साह बिहार के सिवान के रघुनाथपुर थाना



पत्रकारों को जानकारी देते एसपी-अभियान राकेश कुमार

क्षेत्र के पंजवार का रहने वाला था। वह अपने घर में प्लांट में नौकरी करने की बात बोल कर निकला था। इस संबंध में छतरपुर थाना में मृतक के पिता ने मामला दर्ज कराया था। दर्ज मामले के आलोक में पुलिस ने मृतक के मोबाइल नंबर के कॉल डिटेल्स के आधार पर मामले की तह तक पहुंचते हुए आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त

अमित मेहता को हो गई, जिसके बाद उसने अपनी पत्नी को मृत्युंजय साह से किसी प्रकार का संबंध रखने से मना कर दिया। इसके बावजूद मृत्युंजय साह लगातार बात करने का दबाव बना रहा था। इससे तंग आकर अमित मेहता ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर मृत्युंजय साह की हत्या की योजना बनाई। अमित मेहता ने अपनी पत्नी अनीता से मृत्युंजय साह को बिहार के डेहरी आँस सोन बुलाया, जहां अनीता ने मृत्युंजय को रिसीव किया था। दोनों बस से छतरपुर थाना क्षेत्र स्थित देवगन पहुंचे थे। वहां पहले से मौजूद अमित मेहता से विवाद हुआ। उस विवाद में अमित मेहता ने मृत्युंजय साह की गोली मार कर हत्या कर दी।

## साइकिल चोरी का साक्ष्य मिटाने के लिए हुई थी चौकीदार की हत्या



पत्रकारों को मांगले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी

**PALAMU :** साइकिल चोरी का साक्ष्य मिटाने के लिए हुसैनाबाद बीआरसी के चौकीदार रामदेव ठाकुर की हत्या हुई थी। पलामू पुलिस ने चौकीदार की हत्या का उद्घेदन करते हुए हत्या में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र के भजनिया गांव का सनोज डोम-28 वर्ष, हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के महुराई गांव का बिगू डोम-48 वर्ष व योगेंद्र डोम-28 वर्ष, बिहार के औरंगाबाद जिला

अंतर्गत माली थाना क्षेत्र के पांडेय करमा गांव का सोनू डोम-20 वर्ष शामिल हैं। गिरफ्तार सभी आरोपी हुसैनाबाद नगर पंचायत के सफाईकर्मी हैं, जो बीआरसी कॉलोनी के पीछे रहते हैं। अभियान एसपी राकेश कुमार सिंह ने गुरुवार को एसपी कार्यालय सभागार में पत्रकारों को बताया कि बीते 17 मार्च की रात को हुसैनाबाद बीआरसी के छत पर सोए रात्रि प्रहरी (चौकीदार) रामदेव ठाकुर की अज्ञात अपराधियों ने हत्या कर दी थी।

## धनबाद में बढ़ा कुत्तों का आतंक पांच दिनों में 231 लोग हुए शिकार

**PHOTON NEWS DHANBAD :** झारखंड की कोयला नगरी धनबाद में सड़कों पर चलना सुरक्षित नहीं है। आवारा कुत्ते हर दिन काफी संख्या में लोगों को जख्मी कर रहे हैं। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के एंटी रेबीज वैक्सीन केंद्र की रिपोर्ट की मांनें तो हर दिन औसतन 40 लोगों को कुत्ते काट रहे हैं।



पीड़ित बच्ची

स्थिति यह है कि पिछले 5 दिनों में 231 लोग डॉग बाइट के शिकार हो गए हैं। हर दिन काफी संख्या में एंटी रेबीज वैक्सीन के लिए लोग मेडिकल कॉलेज पहुंच रहे हैं। वहीं, जिले के कई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एंटी रेबीज वैक्सीन नहीं है। इस वजह से मरीजों को मेडिकल कॉलेज भेजा जा रहा है।

### 4 वर्षीय नैना को कुत्तों ने नोचा

गिरिडीह के राजननवार की रहने वाली 4 वर्षीय नैना कुमारी शादी समारोह में अपने अभिभावकों के साथ आई थी। यहां पर कुत्तों के झुंड ने मासुस बच्ची पर हमला कर दिया। कुत्ते के झुंड ने उसके गाल को नोच लिया। इससे वह लहलुहान हो गई। इलाज के लिए उसे मेडिकल कॉलेज में लाया गया है। डॉक्टर ने बताया कि जख्म गहरा है। फिलहाल नैना का इलाज हो रहा है।

### हर गली-चौराहे पर घूम रहा कुत्तों का झुंड

शहर के हर गली और चौक-चौराहे पर कुत्तों का झुंड घूम रहा है। स्टील गेट, हीरापुर, सिटी सेंटर, बैंक मोड़, पुराना बाजार का इलाका इन दिनों सबसे ज्यादा कुत्तों के आतंक से परेशान है। इन्हीं जगहों से सबसे ज्यादा डॉग बाइट के मामले अस्पताल पहुंच रहे हैं। जबकि, ग्रामीण इलाकों से सियार के काटने के मामले ज्यादा आ रहे हैं।

5 दिनों का हाल	
तारीख	: जख्मी की संख्या
11 अप्रैल	: 43
13 अप्रैल	: 55
14 अप्रैल	: 63
15 अप्रैल	: 44
16 अप्रैल	: 26

PHOTON NEWS KHUNTI :

पश्चिमी विश्वोष्ण, साइक्लोनिक सुकुलैशियन और बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के कारण झारखंड में मौसम में लगातार बदलाव देखा जा रहा है। मौसम विभाग ने पूरे राज्य में वर्षा, तेज हवा, बिजली गिरने और ओलावृष्टि की संभावना को लेकर 20 अप्रैल तक येलो अलर्ट जारी किया है। रांची व आसपास के जिलों के अलावा राज्य के अधिकांश हिस्सों में हुई वर्षा के बाद जहां मौसम सुहाना हो गया है, वहीं गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचने की बात सामने आ रही है। विशेषकर वैसे किसान, जिन्होंने देर से गेहूं की फसल तैयार की थी, उनके बीज के अंकुरित होने का खतरा मंडराने लगा है। वहीं, इस वर्षा से आम और लीची की खेती कर रहे किसानों को अच्छा खासा



लाभ पहुंचा है। लाही कीट से आम और लीची को बचाना जहां आसान हो गया है, वहीं इन फलों के रसदार होने की संभावना भी बढ़ गई है। बता दें कि मौसम विज्ञान केंद्र, रांची ने पूर्वानुमान जारी करते हुए 20 अप्रैल तक किसानों को सतर्क रहने की सलाह दी है। जारी पूर्वानुमान में बताया गया है कि 17 अप्रैल को राज्य के उत्तर

पश्चिमी क्षेत्र यानी पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार और लोहरदगा को छोड़ बाकी जिलों में मेघघर्जन के साथ 40 से 50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवा बहने की संभावना है। इन जिलों में यह स्थिति 20 अप्रैल तक बनी रहेगी और इसे लेकर मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि

तेज हवा बहने के साथ कहीं कहीं बिजली गिरने की भी संभावना है, इसे मंदेनजर रखते हुए उन्होंने बाहर न निकलने, पेड़ के नीचे नहीं रहने, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स का प्रयोग करने की सलाह दी है। झारखंड में पिछले 24 घंटे के दौरान लगभग सभी जगहों पर मेघघर्जन एवं आंधी के साथ हल्की व मध्यम दर्जे की वर्षा हुई है। सबसे अधिक वर्षापात 42 मिमी खूंटी में रिकार्ड किया गया। जबकि, सबसे अधिक अधिकतम तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस डाल्टेगंज का और सबसे कम न्यूनतम तापमान 17.7 डिग्री सेल्सियस धनबाद में रिकार्ड किया गया। वहीं राजधानी रांची का अधिकतम 30.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 17.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

## आम और लीची की बागवानी के लिए वर्षा रामबाण

आम और लीची की खेती के लिए एक विशिष्ट जलवायु की आवश्यकता होती है, जो सभी स्थानों पर उपलब्ध नहीं है। इन फलों की अच्छी गुणवत्ता के लिए इस मौसम में बागवानी करना बेहद उपयुक्त माना जाता है। कृषि विज्ञानी ने किसानों को बताया कि आम और लीची का पौधा लगाने से पूर्व बाग प्रबंधन आवश्यक है। मसलन मुदा जांच, मिट्टी की उड़ाई, वर्मी कम्पोस्ट व कीटनाशक दवा शामिल है। बताया कि आम और लीची की बागवानी करने वाले किसान 1/1/1 मीटर आकार का गड्ढा खोदकर उसमें गोबर खाद 40 किलो, अंडी की खल्ली 2 किलो, सिंगल सुपर फॉस्फेट एक किलो, पोटाश 250 ग्राम, थायमेट 10 ग्राम मिलाकर छोड़ देना चाहिए। आम और लीची के प्रभेद चुनाव में सावधानी बरते जाने की सलाह दी गई है। किसानों को बताया कि प्रभेद (अमला, मध्य व पिछला) का चुनाव हांग लगाने से पूर्व कर लेना चाहिए। आम के अमला प्रभेद में बंबई, गुलाबखस जबकि मध्य में जदार्तु, लंगड़ा, मालदा, दहसरी, कृष्णभोगा शामिल हैं। वहीं पिछला में चौसा, बथुआ, आगपल्ली, मल्लिका उत्तम श्रेणी में आता है। वहीं, लीची के प्रभेदों में देसी, त्रिकोलिया, अझौली, ग्रीन व शाही अमला प्रभेद हैं जो 15 से 30 मई के आसपास पककर तैयार हो जाएगी, जबकि कसबा, सबौर, वंदना, रोज सेंटेड, डी-रोज, अली बेदना और स्वर्ण रूपा मध्य प्रभेद हैं जो 1 से 20 जून के आसपास पककर तैयार हो जाएगी। इन प्रभेदों के लिए यह वर्षा रामबाण से कम नहीं है।















रिडिकल स्वस्थ कोशिकाओं को अनुसंधान पहुँचाते हैं। ये कोशिकाओं में अन्यत्रित प्रथिजन का भी सबब बनते हैं, जिससे ट्यूमर पचपने का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन में 500 प्रथिजनों शामिल हुए। आधों की रोजमर्रा की डाइट में मूली शामिल की गई। वहीं, बाकियों को सामान्य खानपान रखी रखने की छूट की गई। चार महीने बाद नियमित रूप से मूली का सेवन करने वाले प्रथिजनों में फ्री-रिडिकल के अस्तित्व में भारी कर्म देखी गई। इससे उनके आंत, फेफड़े और पेट के कैंसर का शिकार होने का जोखिम काफी हद तक घट गया।





# नयी विश्व संरचना में विरासत एवं विकास का समन्वय अपेक्षित



विश्व विरासत दिवस



**संतोष कुमार पाठक**

विश्व विरासत दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं है, बल्कि चिंतन, कार्रवाई और प्रतिबद्धता का दिन है। इस अवसर का उपयोग सभी के लाभ के लिए अपने सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक संरक्षण में योगदान देना है। यह वैश्विक आयोजन सांस्कृतिक धरोहर के प्रति चिंतन करता है और इन अमूल्य खजानों के साथ जुड़ाव को प्रोत्साहित करता है। यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए इन सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक स्थलों को संरक्षित और सुरक्षित रखने के महत्व को पहचानने, दुनिया भर में उनकी सुदरता, ऐतिहासिक महत्व और सांस्कृतिक महत्व के लिए सराहना को बढ़ावा देने का अवसर है।

विश्व धरोहर दिवस अथवा विश्व विरासत दिवस मानव सभ्यता के इतिहास और विरासत को एक साथ सम्मान देने एवं ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षित करने के लिए हर साल 18 अप्रैल को मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य सांस्कृतिक परिदृश्यों और संरचनाओं का जश्न मनाना और उन पर ध्यान आकर्षित करना है, जो व्यक्तियों, समुदायों और राष्ट्रों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को की पहल पर एक अंतर्राष्ट्रीय संधि की गई जो विश्व के सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध है। यह संधि सन् 1972 में लागू की गई। प्रारंभ में मुख्यतः तीन श्रेणियों में धरोहर स्थलों को शामिल किया गया। पहले वह धरोहर स्थल जो प्राकृतिक रूप से संबद्ध हो अर्थात प्राकृतिक धरोहर स्थल, दूसरे सांस्कृतिक धरोहर स्थल और तीसरे मिश्रित धरोहर स्थल। वर्ष 1982 में इकोमार्क नामक संस्था के ट्युनिशिया में अंतर्राष्ट्रीय स्मारक और स्थल दिवस में यह बात उठी कि विश्व भर में विरासत दिवस का आयोजन किया जाना चाहिए। यूनेस्को के महासम्मेलन में इसके अनुमोदन के पश्चात विश्व धरोहर दिवस के रूप में मनाने के लिए घोषणा की गई। हर साल धरोहर दिवस की एक खास थीम होती है। साल 2024 में विश्व विरासत दिवस की थीम विविधता की खोज और अनुभव थी। वहीं इस साल थीम है आपदाओं और संघर्षों से खतरे में पड़ी विरासत: आईसीओएमएस की 60 वर्षों की कार्रवाइयों से तैयारी और सीख। यह थीम गौरवशाली अतीत में विश्व संस्कृतियों की सुंदरता को बढ़ाने एवं संरक्षित के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

दुनिया के तमाम देशों में कई सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरें हैं, जिन्हें यूनेस्को ने विश्व विरासत घोषित किया है। इनमें से आठ ऐसी विश्व धरोहर हैं जो पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा प्रसिद्ध और लोकप्रिय हैं। जिनमें मिस्र में मौजूद गीजा का 'ग्रेट पिरामिड' आज भी रहस्य बना हुआ है। 481 फीट ऊंचा यह पिरामिड विश्व के आठ प्राचीन अजूबों में शामिल है और माना जाता है कि इसे चांद से भी देखा जा सकता है। माचू पिच्चू, पेरू यह ऐतिहासिक स्थल पेरू की पहाड़ियों पर बसा है और रहस्यमयी और खूबसूरत माचू पिच्चू को 'इंकाओं का खोया हुआ शहर' भी कहा जाता है। चीन की महान दीवार दुनिया की सबसे लंबी दीवार है, जिसकी लंबाई करीब 21,196 किलोमीटर है। यह दीवार कई राजाओं और साम्राज्यों द्वारा रक्षा के लिए बनाई गई थी। आगरा का ताजमहल मोहब्बत एवं प्रेम की सबसे खूबसूरत मिसाल है। इसे शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज की याद में

बनवाया था। यह सफेद संगमरमर की इमारत भारत की सबसे मशहूर धरोहरों में से एक है। क्राइस्ट द रिडीमर, ब्राजील रियो डी जेनेरियो में स्थित यीशु की यह विशाल प्रतिमा 30 मीटर ऊंची है। यह प्रतिमा न सिर्फ धार्मिक प्रतीक है, बल्कि शहर का प्रमुख पर्यटन स्थल भी है। पेट्रा, जॉर्डन रेगिस्तान के बीच स्थित पेट्रा शहर अपनी अनोखी लाल पत्थर की इमारतों और मंदिरों के लिए जाना जाता है। इसकी वास्तुकला और नक्काशी पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। कोलोसियम, रोम (इटली) प्राचीन रोम के सम्राटों द्वारा बनवाया गया यह विशाल अखाड़ा कभी ग्लेडिएट्रों की लड़ाई का गवाह था। यह आज भी रोम की पहचान बना हुआ है और विश्व धरोहर सूची में शामिल है। चिचेन इट्जा, मेक्सिको यह माया सभ्यता का प्रमुख धार्मिक स्थल रहा है। यहां बना 'एल कैस्टिलो' पिरामिड देखने लायक है। चिचेन इट्जा को मेक्सिको का सबसे संरक्षित पुरातात्विक स्थल माना जाता है।

भारत में ऐतिहासिक, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों से समृद्ध है। भारत में 43 यूनेस्को आधारित विश्व धरोहर स्थल हैं। इनमें से 35 सांस्कृतिक हैं, सात प्राकृतिक हैं और कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान एक मिश्रित स्थल है। 62 अन्य संभावित सूची में हैं, यहाँ ऐतिहासिक स्थलों का खजाना है जो इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है। 2024 में, असम से चराइदेव मोइदम विश्व धरोहर सूची में शामिल

होने वाली नवीनतम भारतीय प्रविष्टि बन गई। अहोम राजघरानों के दफन टीलों में गुंबददार कक्ष हैं, जो अक्सर दो-मंजिला होते हैं और जहां मेहराबदार मार्गों से पहुँचा जा सकता है। इन कक्षों में, मृतक को उनके सामान, जिसमें कपड़े और आभूषण, हथियार, फर्नीचर और दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुओं के साथ सुरक्षित रखा गया है। विश्व विरासत दिवस सिर्फ हमारे जीवन में खुशियों के पलों को लाने में ही मदद नहीं करता बल्कि यह देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का माध्यम भी है। यह पर्यटन को प्रोत्साहन देने का सशक्त माध्यम है। भारत की अर्थव्यवस्था पर्यटन-उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती रही है। भारत की विरासत विश्व में सबसे प्राचीन और समृद्ध विरासतों में से एक मानी जाती है। हजारों वर्षों से यह भूमि सांस्कृतिक, धार्मिक, प्राकृतिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से अनेक महान परिवर्तनों एवं प्रगतियों की साक्षी रही है। भारतीय संस्कृति का इतिहास अत्यंत विविधतापूर्ण और बहुआयामी है, जिसने न केवल भारत बल्कि समग्र मानवता को गहराई से प्रभावित किया है। भारत की विकास यात्रा का इतिहास रोमांचक और प्रेरणादायक रहा है। स्वतंत्रता के बाद देश को एक ऐसे रास्ते पर चलना था जहाँ उसे पुनर्निर्माण के साथ-साथ आधुनिकता की ओर कदम बढ़ाना था। वर्तमान में भारत विश्व की प्रमुख आर्थिक एवं प्रौद्योगिकीय शक्तियों में

से एक है, लेकिन यह यात्रा आसान नहीं थी। स्वतंत्रता के बाद भारत को न केवल अपने सामाजिक और आर्थिक ढाँचे को पुनर्स्थापित करना था, बल्कि उसे एक ऐसे लोकतांत्रिक देश का निर्माण करना था जो अपने नागरिकों को समान अवसर और अधिकार प्रदान कर सके। इस वर्ष गणतंत्र दिवस की थीम हास्वर्णिम भारत- विकास के साथ विरासतह्र है। यह थीम देश की विरासत को संभालते हुए भारत की प्रगति की यात्रा को दर्शाती है। भारत अपनी सुंदरता के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। राजस्थान भारत का एक राज्य है जो विश्व विरासत का समृद्ध केन्द्र है, यह पर्यटन के लिए सबसे समृद्ध राज्य माना जाता है। राजस्थान की पुरातात्विक विरासत या सांस्कृतिक धरोहर केवल दार्शनिक, धार्मिक, सांस्कृतिक स्थल के लिए नहीं है बल्कि यह राजस्व प्राप्ति का भी स्रोत है। य्ं तो भारत के सभी राज्यों में समृद्ध विरासत देखने को मिलती है। पर्यटन क्षेत्रों से कई लोगों की रोजी-रोटी भी जुड़ी है। प्राकृतिक सुंदरता और महान इतिहास से संपन्न राजस्थान में पर्यटन उद्योग समृद्धिशाली है। राजस्थान देशीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों, दोनों के लिए एक सर्वाधिक आकर्षक पर्यटन स्थल है। भारत की सैर करने वाला हर तीसरा विदेशी सैलानी राजस्थान देखने जरूर आता है। जयपुर के महल, उदयपुर की झीलें और जोधपुर, बीकानेर तथा जैसलमेर के भव्य दुर्ग भारतीय और विदेशी सैलानियों के लिए सबसे पसंदीदा जगहों में से एक हैं। इन प्रसिद्ध विरासत स्थलों को देखने के लिए यहाँ हजारों पर्यटक आते हैं। जयपुर का हवामहल, जोधपुर, बीकानेर और जैसलमेर के धोरे काफी प्रसिद्ध हैं। जोधपुर का मेहरानगढ़ दुर्ग, सवाई माधोपुर का रणथम्भोर दुर्ग एवं चित्तौड़गढ़ दुर्ग काफी प्रसिद्ध है। यहाँ शेखावटी की कई पुरानी हवेलियाँ भी हैं जो वर्तमान में हैरीटेज होटलें बन चुकी हैं। विश्व विरासत दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं है, बल्कि चिंतन, कार्रवाई और प्रतिबद्धता का दिन है। इस अवसर का उपयोग सभी के लाभ के लिए अपने सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक संरक्षण में योगदान देना है। यह वैश्विक आयोजन सांस्कृतिक धरोहर के प्रति चिंतन करता है और इन अमूल्य खजानों के साथ जुड़ाव को प्रोत्साहित करता है। यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए इन सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक स्थलों को संरक्षित और सुरक्षित रखने के महत्व को पहचानने, दुनिया भर में उनकी सुंदरता, ऐतिहासिक महत्व और सांस्कृतिक महत्व के लिए सराहना को बढ़ावा देने का अवसर है।

## संपादकीय

### बिहार में राजनीतिक मंथन

बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखें जैसे-जैसे करीब आ रही हैं, वहाँ के विभिन्न जाति समूह, हित समूह अपनी शक्तियों का अधिकतम उपयोग करने के लिए अपने को फिर से स्थापित करने लगे हैं। 2024 के लोक सभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को जो खरोंच लगी थी, उसकी भरपाई हरियाणा, महाराष्ट्र के बाद दिल्ली विधानसभा के चुनाव में हो गई। अब सभी की नजर बिहार पर है जहां इस वर्ष विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। भाजपा एनडीए का प्रमुख घटक दल है। बिहार में वह पिछले दो दशकों से जनता दल (यू) की जूनियर पार्टनर के रूप में काम करती रही है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि इस बार वह झड़विंग सीट पर रहना चाहती है। भले ही चुनाव आयोग ने अभी बिहार में चुनाव की घोषणा नहीं की है, लेकिन राजनीतिक दलों की सक्रियता बढ़ गई है। मंगलवार को दिल्ली में महागठबंधन के घटक दल राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के नेताओं की मुलाकात हुई। उधर, पिछले महीने गृह मंत्री अमित शाह का दो दिवसीय बिहार दौरा हुआ था। इस महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार जाने वाले हैं। राजनीतिक दलों और गठबंधनों की सक्रियता के बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (पारस) एनडीए से अलग हो गई। इस राजनीतिक घटनाक्रम का बिहार विधानसभा चुनाव पर क्या असर पड़ेगा अभी कहना मुश्किल है, लेकिन इतना कयास अवश्य लगाया जा रहा है कि बिहार की राजनीति में यह लहरें पैदा कर सकता है। लोगों को याद होगा कि राम विलास पासवान के निधन के बाद उनके भाई पशुपति पारस ने शतरंज की ऐसी बिसात बिछाई थी जिसमें चिराग पासवान उलड़ गए थे। पार्टी के सभी सांसद चिराग से अलग हो गए थे। लेकिन देश की राजनीति में हाशिये पर चले गए चिराग 2024 के लोक सभा चुनाव के बाद एक नई ताकत के रूप में उभरे हैं। भाजपा ने चिराग के गुट को लोक सभा की 5 सीटें दीं और पांचों प्रत्याशी चुनाव जीत गए। अब सवाल उठता है कि क्या राष्ट्रीय जनता दल के इशारे पर पशुपति पारस एनडीए से अलग हो गए। जाहिर है कि एनडीए में वह पूरी तरह अलग-थलग पड़ गए थे। राजद, कांग्रेस और वामदलों के महागठबंधन में ऐसे दलित चेहरे की आवश्यकता है जो राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान रखता है। इस मायने में पशुपति पारस उपयुक्त नेता हो सकते हैं। अब देखना है कि आने वाले दिनों में बिहार की राजनीति में किस तरह की उथल-पुथल मचती है।

#### सूक्ति

सही स्थान पर बोया गया सुकर्म का बीज ही समय आने पर महान फल देता है।  
- कथा सिरत्सागर  
जो सत्य विषय हैं वे तो सबमें एक से हैं झगड़ा झूठे विषयों में होता है।  
- सत्याश्रप्रकाश

#### चिंतन-मनन

### सुखी जीवन के तीन सूत्र

सुखी, स्वाभिमान एवं सम्मान के साथ जीवन जीने के तीन सूत्र हैं- उपयोगिता, भावना एवं कर्तव्य। उपयोगिता संबंधों को प्रगाढ़ करती है, भावना परिवार को मजबूत करती है और कर्तव्य घर, परिवार, समाज में एकता एवं समन्वय स्थापित करते हैं। उक्त प्रेरक विचार मुनि पुलकसागर महाराज ने प्रवचन माला में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि उपयोगिता के बदले उपयोगिता, भावना के बदले भावना चाहिए, लेकिन कर्तव्य के बदले कुछ नहीं चाहिए। कर्तव्य तो निस्वार्थ भावना से किए जाते हैं। छोटी-सी भूल सदियों की सजा बन जाती है, इसलिए हमें जीवन सही और व्यवस्थित तरीके से जीना चाहिए। जिन माँ-बाप ने हमें खून दिया उन्हें बुढ़ापे में खून के आँसू बहाने पर मजबूर करना कायरता है। जिन्होंने अपने खून से हमे बड़ा किया उनके लिए खून बहा देना मानवता है, जबकि असहाय जीवों का खून बहा देना हिंसा और अमानवीयता है। भगवान राम ने कर्तव्य की खातिर सौतेली माँ के वचनों को स्वीकार कर लिया, क्या आप भी इतने कर्तव्यनिष्ठ होकर अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं? अगर नहीं तो आपका जीवन सार्थक नहीं है। श्रवण कुमार अपने पुत्र होने का कर्तव्य बगैर किसी तर्क के निभाता है। कर्तव्य के पालन में तर्क नहीं सम्पर्ण की जरूरत पड़ती है।



योगेश कुमार गौयल

यीशु (ईसा मसीह) के बलिदान, उनकी शिक्षाओं को याद करने का दिन है 'गुड फ्राइडे'। दरअसल ईसा मसीह ने मानवता की भलाई के लिए बलिदान दिया। ईसाई मान्यता के अनुसार दुनिया को प्रेम, दया, करुणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का संदेश देने वाले यीशु को इसी दिन उस जमाने के धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा क्रॉस पर चढ़ाया गया था। जिस दिन ईसा मसीह ने प्राण त्यागे थे, उस दिन शुक्रवार था और इसी याद में 'गुड फ्राइडे' मनाया जाता है। ईस्टर के रविवार से पहले पड़ने वाले शुक्रवार को मनाया जाता है और इस वर्ष गुड फ्राइडे 18 अप्रैल को मनाया जा रहा है। ईसाई समुदाय द्वारा इस त्यौहार को शोक के रूप में मनाया जाता है। गुड फ्राइडे को यीशु द्वारा मानवता की भलाई के लिए दिए बलिदान के रूप में देखा जाता है। गुड फ्राइडे के दिन गिरजाघरों में घंटा नहीं बजाया जाता बल्कि लकड़ी के खटखटे बजाए जाते हैं और लोग चर्च में क्रॉस को चूमकर यीशु का स्मरण करते हैं। कुछ स्थानों पर लोग काले कपड़े पहनकर प्रभु यीशु के लिए प्रार्थना करते थे। उनके संदेश दूर-दूर तक फैलने से पहले चालीस दिन तक व्रत किया था



कुमार समीर

स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अनियमितताएं किस तरह बेलगाम हो गई हैं, इसका ताजा उदाहरण दमोह के फर्जी डॉक्टर का मामला है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर, किस तरह प्रशासन की आंखों में धूल झोंक कर मध्य प्रदेश के दमोह जिले का यह फर्जी कार्डियोलॉजिस्ट 'डॉक्टर' एन जॉन कैम सालों से लाचार, परेशान, मुसीबतों के मोरे मरीजों का ईलाज कर रहा था? आरोपी 'डाक्टर' का दुस्साहस देखिए कि उसने अपना असली नाम छिपा कर मेडिकल कम्प्यूनिटी में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए विदेशी नाम रखा था। दमोह जिले के मिशन अस्पताल में आरोपी डाक्टर का नाम डॉक्टर एन जॉन कैम दर्ज था जबकि उसका असली नाम नरेंद्र विक्रमादित्य यादव है। पृष्ठताछ में आरोपी ने खुद को अविवाहित बताया है जबकि उसके फर्जी दस्तावेज में पत्नी और बच्चों के फेक नाम लिखे हुए हैं। आरोपी का मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ ऐसे ही बेरोकटोक चलता रहता अगर इसके द्वारा की गई 15 लोगों की हार्ट सर्जरी के दौरान सात लोगों की जान नहीं चली गई होती। इस फर्जी डाक्टर की पहुंच, पहचान कितनी तगड़ी थी, इसका अंदाजा इससे



मांगते हैं। ईसा मसीह के सुली पर चढ़ाए जाने की याद में इस दिन उनके अनुयायी समस्त लौकिक सुविधाओं का त्याग कर देते हैं। इस दिन चर्च और घरों से सजावटी वस्तुएं हटा दी जाती हैं या उन्हें कपड़े से ढक दिया जाता है। कैथोलिकों द्वारा शुरू की गई प्रथा के अनुसार गुड फ्राइडे के ठीक 40 दिन पहले आने वाले बुधवार से ईसाई समुदाय में प्रार्थना और उपवास प्रारंभ हो जाते हैं। इस बुधवार को 'राख का बुधवार' कहा जाता है। उपवास के दौरान लोग केवल शाकाहारी और सात्विक भोजन करते हैं। माना जाता है कि यीशु ने मानव सेवा प्रारंभ करने से पहले चालीस दिन तक व्रत किया था

और संभवतः इसीलिए उपवास की यह परम्परा शुरू हुई। इस दिन दुनियाभर के ईसाई सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए चर्च में चंदा या दान देते हैं। ईसाई धर्म में ईसा मसीह को परमेश्वर का पुत्र माना जाता है। उन्होंने लोगों को क्षमा, शांति, दया, करुणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का उपदेश दिया और उनके इन्हीं सद्गुणों के कारण लोग उन्हें शांति दूत, क्षमा मूर्ति और महात्मा कहकर पुकारने लगे थे। कहा जाता है कि वे यरूशलेम के गैलिली प्रांत में लोगों को मानवता, सत्य, एकता, प्रेम, अहिंसा और शांति का उपदेश दिया करते थे। उनके संदेश दूर-दूर तक फैलने लगे और उनके विचारों को लोग अपने

## मुद्दा : झोलाछाप डॉक्टरों से बच के



लगाया जा सकता है कि 15 लोगों के हार्ट की सर्जरी करने वाले डॉक्टर ने 2006 में एक निजी अस्पताल में छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद शुक्ला की सर्जरी भी की थी, जिसके बाद उनकी मौत हो गई थी। इसका दावा उनके बेटे ने किया है। आखिर, इस तरह के लोगों की भनक तक प्रशासन, स्वास्थ्य महकमे को क्यों नहीं लगती। आश्चर्य तो यह है कि ऐसे ज्यादातर मामलों का खुलासा तब होता है जब इनके कारनामे से बड़ा नुकसान हो जाता है। दरअसल, स्वास्थ्य सेवाओं के गोरखधंधे में कई चीजें आरोपी का मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ ऐसे ही बेरोकटोक चलता रहता अगर इसके द्वारा की गई 15 लोगों की हार्ट सर्जरी के दौरान सात लोगों की जान नहीं चली गई होती। इस फर्जी डाक्टर की पहुंच, पहचान कितनी तगड़ी थी, इसका अंदाजा इससे

लेकिन ये सुरक्षित या प्रभावी नहीं होते। बैंकिंग धोखाधड़ी में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में धोखाधड़ीपूर्ण गतिविधियों द्वारा धन या सेवाएं प्राप्त करना शामिल है, जैसे कि झूठे दावे प्रस्तुत करना या अधिक बिलिंग करना। नकली दवाएं और अनियमित पैथोलॉजी लैब्स भी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में गोरखधंधे के उदाहरण हैं। फर्जी चिकित्सक नकली दवाओं के साथ-साथ जांच भी फर्जी कर रहे हैं। इसके लिए एक मशीन रख ली है, जिस पर हाथ रख कर ही 55 जांच करने का दावा कर रहे हैं। कई लोगों को इतना बीमार बता दिया जाता है कि वे सदमे में आ जाते हैं। लैब से जांच कराई तो सारी जांच गलत निकलती है। बताते चलें कि क्वॉंटम रेजोनेंस बाँडी हेल्थ एनालाइजर नामक मशीन जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में अप्रशिक्षित फर्जी चिकित्सकों द्वारा खूब इस्तेमाल की जा रही है। यह मशीन ऑनलाइन

प्लेटफॉर्म पर मात्र दस से 12 हजार रुपये में मिल रही है। दावा किया जा रहा है कि मशीन में शरीर की 55 जांच महज कुछ मिनटों में हाथ रखने से ही हो जाती है। जांच के नाम पर लोग पैसे तो दे ही रहे हैं, साथ ही अप्रशिक्षित चिकित्सक जांच के आधार पर इलाज तक दे रहे हैं। बिना डिग्री व बिना पंजीकरण वाले डाक्टरों पर अंकुश लगाना सबसे जरूरी है और इसके लिए सबसे पहले बनाना होगा नेशनल मेडिकल पोर्टल। जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। फर्जी डॉक्टरों पर अंकुश लगाने के लिए केवल नियम-कानून बना देने से काम नहीं चलेगा, बल्कि जनता को ऐसे डॉक्टरों के बारे में सचेत भी करना होगा। आम जन को बताया जाना चाहिए नकली डॉक्टर के खिलाफ शिकायत कहां करें? मेडिकल कार्डोसिल को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। बिना डिग्री या रजिस्ट्रेशन वाले फर्जी डॉक्टरों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार को सख्त कानून लागू करने चाहिए। भारत में झोलाछाप डॉक्टर के लिए दी जाने वाली सजा पर फिर से ध्यान देना सबसे जरूरी है। गौरतलब है कि झोलाछाप डॉक्टरों को धारा 15(4) धारा 15(2) के उल्लंघन के लिए दंड निर्धारित करती है। भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1956 की धारा 15(3) में प्रावधान है कि उल्लंघन के परिणामस्वरूप एक वर्ष का कारावास या 1,000 रु पये का जुर्माना होगा। इसे और सख्त और कड़ा बनाने की जरूरत है। स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को नियमित जांच और निगरानी करनी चाहिए। मीडिया और सोशल प्लेटफॉर्मस के माध्यम से फर्जी चिकित्सा के दुष्परिणाम साझा किए जाएं। मेडिकल कार्डोसिल को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए और दोषियों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।



## Aadhaar fails the women who need it most

India’s push towards digital governance has been hailed as a transformative force for efficiency and inclusion. Aadhaar, the world's largest biometric identification system, was introduced with the promise of streamlining welfare distribution, reducing fraud and ensuring direct benefit transfers (DBT). However, for millions of informal women workers — domestic workers, street vendors, sanitation labourers and agricultural workers — Aadhaar has become more of a barrier than an enabler.

While the government claims that 99 per cent of adults possess an Aadhaar card (UIDAI, 2023), the real issue lies in its usability. Authentication failures, particularly among marginalised communities, have led to the denial of medical care, exclusion from welfare benefits and increased financial vulnerability. These are not isolated glitches but systemic flaws disproportionately affecting the marginalised section. In hospitals, Aadhaar-based biometric authentication is required for accessing critical healthcare services. While the intention is to curb fraud, it has resulted in delays and denials of medical care, particularly for women and newborns. Women recovering from childbirth, especially after surgeries like C-sections, often experience authentication failures due to swelling, dehydration or medical complications. A study by Khera and Somanchi (2021) documented biometric failures delaying maternal or neonatal care, with the worst impact on informal workers. Similarly, a 2019 study by Dreze et al found that Aadhaar authentication failures led to the denial of healthcare services in Rajasthan and Jharkhand, particularly for pregnant women and the elderly.

A recent study by the authors surveyed 200 migrant workers in Delhi and found that 36 per cent of women faced biometric authentication failures during pregnancy-related hospital visits. Many were unable to access prenatal checkups, emergency obstetric care and neonatal services, reinforcing Aadhaar's role as a tool of exclusion rather than empowerment. In rural healthcare systems, IT for Change documented cases in Mysuru where women were denied maternal benefits due to authentication failures. Similarly, a newspaper survey (2021) in Delhi found that 40 per cent of respondents faced authentication errors, obstructing their access to essential healthcare. A report published in another weekly (2019) revealed that even Aadhaar holders frequently experience fingerprint mismatches, leading to wrongful exclusions from life-saving services. The issue also affects access to food. Aadhaar-linked authentication in the Public Distribution System has resulted in ration denials due to fingerprint mismatches and system failures, as per a magazine report (2024). Similarly, a newspaper (2019) reported that Aadhaar verification failures have worsened women's access to welfare, making essential maternal healthcare contingent on unreliable biometric verification. Aadhaar authentication failures also obstruct access to financial support. The Pradhan Mantri Matru Vandana Yojana (PMMVY), which promises Rs 5,000 aid for maternal health and postnatal care, is often delayed due to Aadhaar-based verification issues. For women in informal, labour-intensive work, these delays force many to resume strenuous labour shortly after childbirth. According to National Family Health Survey-5 (2019-21), 42 per cent of working women returned to work within six weeks of childbirth, largely due to financial distress. Aadhaar-linked payment failures exacerbate this situation (Ministry of Health and Family Welfare, 2021). A study by Dreze, Khera and Somanchi (2021) found that 29 per cent of eligible women faced disruptions in receiving PMMVY benefits due to Aadhaar authentication issues. Similarly, Shukla, Ray and Basu (2023) documented Aadhaar verification hurdles in West Bengal, leading to disbursement delays. These failures heighten postpartum financial insecurity and health risks, raising questions about whether digital governance truly fosters equity.

## What India’s ‘new normal’ with China really means

Questions remain on how many of the 65 patrolling points are accessible now

THE optics of Chinese Ambassador Xu Feihong and Indian Foreign Secretary Vikram Misri cutting a cake on April 1, marking the 75th anniversary of India-China relations, reflects the contrived new normal. Since China is accustomed to eating the cake and having it too, it was not expected to fully disengage from legacy holdings of Depsang and Demchok. But it did. In addition to the limited disengagement from four other friction points earlier. So what happened between July and October 2024 to catalyse the complete disengagement at Depsang and Demchok? Trump, probably. While the US wants to make good with Russia to focus on China, Beijing wishes to mend relations with India to concentrate on America. Trump's offer to mediate between India and China during PM Narendra Modi's visit to the US in February and the BRICS summit were the other catalysts. In his marathon podcast on March 3 with Lex Fridman, Modi said: "We have seen return to normalcy at the border after my meeting with President Xi at Kazan (on the sidelines of BRICS summit). We are now working to restore conditions on how they were on border before 2020. This will take time." The new magic mantra in strategic guidance of leaders at Kazan that triggered the disengagement is unknown. In Parliament, Foreign Minister S Jaishankar had reported that normal engagement in other parts of the relationship were contingent upon border tensions being resolved. Disengagement has been fully achieved in Demchok and Depsang while in other areas north and south of Pangong Tso, disengagement is of a temporary and limited nature (buffer zones). The next steps would be towards de-escalation and deinduction, he said. By hastily normalising relations, India has willy-nilly accepted Chinese Foreign Minister Wang Yi's advice to place border issues at the appropriate position in bilateral relations, as agreed in 2005 (factually incorrect, says India). Jaishankar's statement that the state of the border will reflect the state of bilateral relations appears to validate this. Shorn of diplomatese, Army Chief Gen Upendra Dwivedi's statement on October 23, two days after the October 21 agreement, was unequivocal: A degree of standoff remains; the desired end state is restoration of status quo prior to April 2020. But the MEA confirmed that there was no contradiction between what the Army Chief had said and its statements. Even so, contradictions are multiple: between the WMCC claim after 32 rounds of deliberations — that all issues that emerged in 2020 had been resolved — and Jaishankar's statement in Parliament — that full disengagement at two places and qualified



border lexicon: border instead of the LAC, discontinued RSQA (Return of Status Quo Ante) to de-escalation and deinduction, terms that the Chinese have never used because they will not implement them. Since the standoff, the government has earned several embarrassments with the initial faux pas of giving a clean chit to China after Galwan, when Modi said: "No one entered our territory, nor is anyone inside our territory." Despite the government claims of no loss of territory, roughly 2,000 sq km of land is under Chinese occupation. Beijing carried out multiple incursions along the entire length of the 1956 claim line from Demchok to Depsang, establishing buffer zones at some friction points, mainly on the Indian side of LAC, suspended grazing rights and allowed coordinated patrolling in Depsang and

Demchok. Questions remain on how many of the 65 patrolling points are accessible now; how soon the next steps on the restoration of conditions prior to 2020 will take; accountability for gross intelligence failures, etc. The government has not allowed any debate in Parliament, saying it will affect the morale of soldiers and national security — euphemisms for obfuscation. Jaishankar has hailed our effective counter-deployment instead of admitting to a breakdown in deterrence. The government should explain the current lapses instead of parroting "more land was lost during Nehru's time."

Former Army Chief of the time Mukund Naravane's book 'Four Stars of Destiny' was due to be released on December 2023, but was banned. It exposes the absence of political strategic guidance to the higher military leadership over the execution of Operation Snow Leopard. Naravane was awaiting orders whether or not to open tank fire on Chinese tanks approaching Indian positions, when he was asked by the highest authority not to be the first to open fire. The last-minute order from Modi conveyed by Defence Minister Rajnath Singh was: "Do what you think is correct, this is operational matter." The rest is history. India forfeited its strategic dominance on Kailash heights due to lack of operational directive, otherwise the fate of disengagement process could have been entirely different; in India's favour. On March 9, Narvane released his novel Cantonment Conspiracy and jubilantly announced: Finally, I am a published author. Carnegie Endowment's Ashley Tellis recently held a discussion on the India-China standoff, summing up that India had still not received any explanation from China on what it did in Ladakh; that normalisation had begun before de-escalation despite no change of heart on both sides; and that it was a tactical thaw, not a strategic shift on the border. The way forward, after unlikely restoration of border to before 2020, is a new modus vivendi, leading to full and final settlement of the border dispute. Is it asking for the moon?

## Cornering Choksi

India should up the ante for his extradition



and the allegedly poor conditions in Indian prisons. Indian probe agencies must be well prepared to counter

such arguments in a convincing manner. At stake is the investigation into one of India’s biggest bank frauds, besides the efficacy of the Fugitive Economic Offenders Act, which was enacted by the Narendra Modi government in 2018 after Choksi and Nirav made their great escape. Unfortunately, the Enforcement Directorate’s plea seeking to declare Choksi a “fugitive economic offender” and confiscate his assets under provisions of the Act has been pending before a Mumbai court for nearly seven years. The proceedings should be expedited to up the ante against Choksi. The Indian government has claimed that the amount involved in bank frauds has dropped appreciably in the past few years, thanks to steps such as the setting up of an online Central Fraud Registry. This is a welcome development, but catching the big fish is no less important for strengthening deterrence and reassuring depositors.

## Sounds of a shotgun wedding

BJP, AIADMK uneasy about alliance, while CM Stalin veers conversation towards state autonomy

A long-sSpeculated union finally took place on April 11. After several unsuccessful attempts, the BJP and the All India Anna Dravida Munnetra Kazhagam (AIADMK) announced their alliance for the 2026 Tamil Nadu Assembly elections. But their coming together has not yet generated the enthusiasm that should have accompanied this landmark occasion. Both sides are assailed by self-doubt and resentment against the other. The reasons are not far to seek. A smell of cordite hangs over the alliance. The view is widespread that AIADMK leader Edappadi Palaniswami — or EPS, as he is known — was pressured into the agreement. It gained ground because the Election Commission of India (ECI) began examining a petition to freeze the AIADMK’s precious two-leaves symbol on the very day that Union Home Minister Amit Shah was arriving in Chennai for alliance discussions. Chronology samjhiye. On February 25, the Madras High Court lifts a stay on the ECI taking up the matter. The court entered the picture when a Tamil Nadu resident petitioned it early last year, weeks ahead of the Lok Sabha elections, saying that the ECI had not responded to his pleas to freeze the AIADMK symbol pending the disposal of civil suits over the party’s leadership. This refers to the struggle in the party between EPS and his challenger OPS, or O Panneerselvam, former Chief Minister, who was Jayalalithaa’s chosen proxy for the chair when she was convicted and disqualified.

When the court heard the petition in November 2024, the ECI said it would take up the matter in a week. The AIADMK asked the court for a stay, arguing that the ECI had no role in an intra-party dispute. That

stay was granted in January this year, and lifted a month later. In March, EPS visits Delhi, ostensibly to inaugurate the party’s new office, and meets Shah. The Home Minister is said to have set a deadline for the AIADMK to decide its course of action. EPS continues to talk down speculation that the two parties were close to tying the knot. And on April 4, the AIADMK votes against the Waqf Bill in the Rajya Sabha. April 11 dawns with the news that the AIADMK symbol is on the line, and ends with the news of the coming together of the two leaves and the lotus. Whatever happens to the civil suits in the AIADMK’s leadership challenge, the BJP has blessed EPS’s leadership for now. On the ground, it seems followers of neither party are yet convinced of the value of this alliance. The main dampener for the local BJP is the perception that K Annamalai, who led the party’s state unit from 2021, and is credited with giving the party a statewide profile, was Shah’s sacrificial offering to EPS.

The BJP top brass has sought to mollify Annamalai and his followers with the sop that he will be deployed for something more important at the national level. The elevation of Nainar Nagenthiran, a former AIADMK man, as the BJP’s new state chief has been explained as a move to keep a caste balance in the alliance. While Annamalai, like EPS, belongs to the Gounder community, Nagenthiran is from the powerful Thevar community, which could help the BJP win influence in that group. But Nagenthiran would be hard put to explain to fellow Thevars why the BJP ditched OPS, a respected Thevar himself, and sided with EPS in the AIADMK’s leadership battle. While Nagenthiran is expected to provide a

healing touch to AIADMK-BJP tensions on account of Annamalai’s aggressive stance towards what he saw as another Dravidian party, BJP hardliners remain convinced that the party would have been better off going alone and increasing its vote share in



the state than entering into an alliance with the AIADMK. Forget everything else, the BJP’s big campaign theme against the DMK as a “corrupt party” is seen as dead in the water with the AIADMK being as vulnerable to such an allegation. The Enforcement Directorate’s recent allegation of a “deep-rooted and systemic corruption network” in the municipal administration and water supply department, along with connected searches and raids on properties linked to DMK minister KN Nehru, could be a sign of how the BJP plans to play this tune against the ruling DMK. Still, caste-based alliances, not corruption, are the winning strategy in Tamil Nadu, it has been proved over and over again. On this front, the BJP is skating on thin ice. Its alliance partner in the 2024 Lok Sabha elections, Pattali Makkal Katchi, which claims to

represent the Vanniyar caste, is on the verge of a split. Founder S Ramadoss is against any truck with the BJP, while his son Anbumani Ramadoss is pulling in the opposite direction. Can the BJP-AIADMK alliance expand to include parties that will give it a broader caste base is a pertinent question. In the AIADMK, the uneas at joining hands with a national party that espouses anti-Dravidianism is palpable. Jayalalithaa was once seen as a Hindutva leader in a Dravidian party. But EPS is not Jayalalithaa. His party joined the DMK, the Congress and all regional parties to adopt a resolution against the Centre’s Waqf Bill. The BJP’s isolation in the Assembly was never more evident. He would have observed the fate of regional parties in alliance with the BJP in other parts

of the country. For now, the die is cast. Unless something changes, the 2026 elections will be fought between the DMK and its allies against the BJP-AIADMK combine. What keeps an Opposition party’s hopes alive in Tamil Nadu is that voters in the state are known to alternate between the DMK and the AIADMK. The only time this pattern broke in recent years was in 2016, when the Jayalalithaa-headed AIADMK won a second successive term. It is true that the DMK faces strong anti-incumbent sentiments. But Chief Minister MK Stalin has raised the stakes in the coming election to the national level. He has pitched the themes of delimitation, language and cooperative federalism against the BJP’s centralising tendencies, as his main plank for next year’s elections, taking the conversation away from local issues.



Markets trade lower in early trade dragged down by IT stocks

MUMBAI.Benchmark equity indices Sensex and Nifty declined in early trade on Thursday dragged down by IT stocks after Wipro warned of a weak quarter ahead amid global uncertainties. The 30-share BSE benchmark Sensex declined 362 points to 76,682.29 in early trade. The NSE Nifty went down by 129.75 points to 23,307.45. From the Sensex firms, HCL Tech, Tata Steel, Tech Mahindra, Tata Consultancy Services, Larsen & Toubro and Titan were among the biggest laggards. ICICI Bank, HDFC Bank, Bharti Airtel and State Bank of India were the gainers. Wipro on Wednesday reported a 25.9 percent year-on-year rise in consolidated net profit for the March quarter to Rs 3,569.6 crore, but warned of a weak quarter ahead with up to 3.5 percent expected drop in IT services revenue for Q1FY26, amid global uncertainties.The stock of Wipro traded over 5 percent lower.In Asian markets, South Korea's Kospi index, Tokyo's Nikkei 225, Shanghai SSE Composite index and Hong Kong's Hang Seng were quoting higher.US markets ended significantly lower on Wednesday. Foreign Institutional Investors (FIIs) bought equities worth Rs 3,936.42 crore on Wednesday, according to exchange data.Global oil benchmark Brent crude climbed 0.87 per cent USD 66.42 a barrel. Defying a weak global market trend on Wednesday, the BSE Sensex climbed 309.40 points or 0.40 percent to settle at a two-week high of 77,044.29 in a volatile session.

FM’s visit ‘triggers’ flow of investment from UK; to firm up economic ties

NEW DELHI Amid uncertain economic and business conditions globally, Finance Minister Nirmala Sitharaman’s recent UK visit assumes significance with both the countries committing greater investment and cooperation.Sources in the finance ministry said that the finance minister’s UK visit – to attend the 13th Economic and Financial Dialogue (EFD) on April 9th -- could prove to be an important milestone in the growing economic ties between the two countries. According to sources, a delegation of UK businessmen visited the finance minister on Wednesday to further inquire about investment opportunities in India.During her visit to the UK, Finance Minister Nirmala Sitharaman succeeded in getting trade and investment commitments worth 400 million pounds from businesses in the UK. Barclays Bank PLC India has announced capital injection of over £210 million into its Indian operations, affirming its long-term commitment to India. Barclays latest investment in the country is aimed at growing its businesses across the Investment and private banking in India.HSBC Bank has promised to expand its presence from the current 14 cities to 34 cities in India. This expansion will enable the bank to cover approximately 95% of India’s wealth market, reinforcing their commitment to India.?Standard Chartered Bank, another financial major from the UK, has announced that it has shifted to larger office premises at GIFT City. British International Investment Plc (BII) has committed \$10 million to the agritech startup -- Grow Indigo. UK’s Prudential group has made the announcement of launching their first fully owned global services hub in Bengaluru and third joint venture in India establishing a standalone health insurance business. UK firm Wise has announced plans to open a new office in Hyderabad.Among Indian companies which have committed investment in the UK include fintech major Paytm, IT firm MphasisBarclays in note has said that the UK and India should deliver a new bilateral investment treaty to deepen investment flows.

Gensol Engineering shares hit 5% lower circuit for 2nd straight day

Gensol Engineering shares were locked in the lower circuit for the second straight session on Thursday, as regulatory heat and corporate governance concerns triggered a fresh wave of selling. The stock plunged 5% to Rs 117.50 on the Bombay Stock Exchange (BSE), hitting yet another all-time low. The latest drop comes in the wake of action taken by



the Securities and Exchange Board of India (SEBI) against the company’s promoters, Anmol Singh Jaggi and Puneet Singh Jaggi, over alleged financial misdoings.Both the promoters and the company have been barred from accessing the securities market until further notice, amid charges of fund diversion and governance lapses.To make matters worse, Arun Menon, one of Gensol’s independent directors, stepped down with immediate effect. The company confirmed his resignation in a regulatory filing, stating that he has also ceased to be part of various board committees.It is worth noting that the stock has lost 85% of its value in 2025 and is down 53% in just one month.The rot began to set in after CARE Ratings downgraded Gensol’s long-term and short-term credit facilities in early March, citing delays in servicing term loans.A day later, ICRA followed with its own downgrade. Since then, the stock has repeatedly hit its lower circuit.As part of its interim order, Sebi has also prohibited Gensol from proceeding with a proposed stock split, which is another blow to its near-term plans.With both promoters banned from holding leadership roles and no clear roadmap for recovery, investor confidence appears to be in free fall.

Shrimp exporters seek government help as US set to review anti-dumping, countervailing duties

NEW DELHI. Indian shrimp exporters are keeping their fingers crossed as the US is set to begin its review of anti-dumping and countervailing duties on shrimp next month, and are seeking government intervention to help secure relief amid stiff global competition, industry experts say.The exporters said that the formula of the US to calculate these duties is incorrect, and the Indian government should take up the issues with them bilaterally, as domestic traders are facing tough competition from Ecuador and Vietnam in the American market."The US authorities consider India's RoDTEP and duty drawback schemes as incentive schemes, which is not the case. Both are WTO-compliant duty refund schemes only," Kolkata-based seafood exporter and MD of Megaa Moda Yogesh Gupta said.He added that the US uses a 'zeroing' method to impose anti-dumping duty on shrimp, which is not

correct and needs to be re-looked as it distorts the calculation of the margin of dumping.He said that exporters are concerned and the government should come forward to support them by re-introducing the Transport and Marketing Assistance (TMA) scheme.Through this, the United States is not making a fair comparison between the export price and the normal value, leading to distorted dumping margins. Besides these duties, Indian shrimp exporters face a 10 per cent baseline tariff imposed by the US on April 2. Giving a big relief, America has suspended the additional 26 per cent duty on India.Currently, Indian shrimp exports to the US face an effective customs duty of 17.7 per cent, including 5.77 per cent in countervailing duties and 1.8 per cent in anti-dumping duties. Seafood Exporters Association of India Secretary General K N Raghavan has

recently urged the government to focus on securing a "level-playing field" for the country's seafood exports during upcoming trade talks before the tariff pause expires.Another exporter said



Ecuador is India's biggest competitor in the sector, as it faces lower duties and enjoys a major advantage in shipping due to its proximity to the US market. Odisha-based exporter Rajen Padhi said the anti-dumping duty has been in place for two decades, and it's time the US sets

a uniform rate for India."As per an international agreement, no taxes should be exported. So now we can convince the US that the RoDTEP (Remission of Duties and Taxes on Exported Products) scheme is not an incentive scheme as we have a mechanism in place to do the verification," said Padhi, Commercial Director, B One Business House Pvt Ltd.The US is the largest market for the domestic shrimp industry. Out of India's total shrimp exports, the country ships 40 per cent to America. Ecuador and Indonesia are major competitors of the domestic exporters in the US market. There are around 1 lakh shrimp farms in India, most of which are in Andhra Pradesh. The export of frozen shrimps during 2023-24 was 7,16,004 tonnes. The US imported 2,97,571 tonnes last fiscal year, followed by China (1,48,483 tonnes), the European Union (89,697 tonnes), and Japan (35,906 tonnes).

Explained: Why Nvidia's market value dropped \$148 billion overnight

NEW DELHI. Nvidia, Wall Street’s poster child for the artificial intelligence boom, hit a wall this week. The chipmaker lost nearly 7% of its market value overnight, shedding more than \$148 billion, as the renewed US-China trade battle claimed one of its most high-profile victims. resh US export restrictions targeting Nvidia’s powerful AI chips designed for the Chinese market triggered the crash. The Commerce Department’s new licensing rules effectively cut off exports of the H20 processor, dealing a blow to Nvidia just as it was gearing up for more sales momentum from China.Shares of Advanced Micro Devices (AMD), which also saw its MI308 chips restricted, tumbled over 7%. The broader Philadelphia Semiconductor Index fell 4.10%, while global chip stocks from ASML in Europe to Samsung and SK Hynix in Asia followed suit. “The technology industry supports America when it exports to well-known companies worldwide — if the government felt otherwise, it would instruct us,” Nvidia said in a statement that sounded equal parts obedient and exasperated.Nvidia has estimated a \$5.5 billion revenue hit from the curbs. AMD pegs its damage at around \$800 million.For now, US President Donald Trump has kept semiconductors off his latest tariff list, but that could change. The administration is already



investigating possible levies on critical mineral imports, and Trump has signalled more targeted tariffs are coming — a move that could dent chipmakers even further.We’re not seeing the last salvo here,” Tim Ghriskey, senior portfolio strategist at Ingalls & Snyder, told Reuters. “This will hang over the chip sector for a while.” The ripple effects have gone well beyond Silicon Valley. Shares of Dutch chip equipment maker ASML, often seen as a bellwether for global semiconductor demand, dropped 5% after it warned of growing uncertainty.

NEW DELHI. The government is still assessing the impact of US tariffs on the country's chemicals and petrochemicals industry, a senior official said on Thursday."We are still studying. We are in touch with the industry and trying to assess how it will impact our industry," Chemicals and Petrochemicals Secretary Nivedita Shukla Verma told PTI on the sidelines of a brainstorming session here.US President Donald Trump on April 9 reduced a planned 26 per cent reciprocal tariff to 10 per cent, just one week after announcing the higher rate on April 2. The government will determine measures after discussions with industry players, Verma added. According to industry data, chemicals constitute about 18 per cent of India's total exports to the US, with FY24

exports valued at around USD 5.7 billion.India Ratings and Research estimates the tariff hike could reduce chemical exports by USD 2-7 billion



in FY26.Industry experts said the tariff increase substantially raises costs for Indian chemical exports to the US, likely reducing demand for speciality chemicals and intermediates.Indian petrochemical

exports to the US, valued at approximately USD 4 billion in 2024, may see reduced demand, though some petroleum oil sub-segments might be exempt, softening the impact.The US tariffs on Chinese chemicals have also triggered concerns about dumping, as Chinese firms facing economic slowdown and surplus capacity may flood India and other global markets with cheaper products, potentially depressing global chemical prices, they added.Earlier, at a brainstorming session, Verma emphasised fostering long-term development of the Indian chemical and petrochemical sector, including discussions on infrastructure development specifically tailored for the chemical industry.

PhonePe rolls out UPI Circle, simplifies payments for family and friends

NEW DELHI PhonePe has rolled out a new feature - UPI Circle, on its app on April 15, 2025, wherein users can send money on behalf of family members, friends, or trusted individuals, without requiring them to have their own bank account linked to UPI. Simply put, UPI Circle lets you create a small group (or “circle”) where one person can manage payments for others. Think of it as delegating payments, helpful for parents funding their kids, adults helping elderly parents, or even busy people handling household payments through someone they trust.According to the press release dated April 15, 2025, “PhonePe, today announced the launch of UPI Circle on its app, allowing its users to create a circle and make payments on behalf of their family, friends or trusted contacts. UPI Circle enables dependents to generate their own UPI ID without needing a linked bank account, opening up secure online payment solutions for those with limited access to digital financial services.”

WHAT IS UPI CIRCLE?

UPI Circle is a feature by NPCI (National Payments Corporation of India) where a primary user gives permission to a secondary user to make payments from their UPI account, within set limits. It must be mentioned that the primary user is the account holder who controls the money and grants access, while the secondary user can be someone with or without a bank account, who is authorised to make payments using the primary user’s account. HERE'S HOW IT WORKS ON PHONEPE On PhonePe, a primary user can add a trusted contact to their UPI Circle via UPI ID or QR code. The secondary user can then use the primary user's account to make payments directly with approval of the primary user. It must be mentioned that the primary user remains fully in charge, be tracking every payment, impose limits, and withdraw access at any time.“With UPI Circle on PhonePe, a

UPI account holder (primary user), can add their family/trusted individuals (secondary user) to their circle using UPI ID or QR code and seamlessly authorise payments for them from anywhere. The primary user retains complete control over the usage, including the ability to review payment requests, track secondary user expenses, get secure access to detailed payment records within each circle and delink access from their UPI Circle, as needed,” mentioned the press release. KNOW HOW TO SET UPI CIRCLE IN PHONEPE To start using UPI Circle on PhonePe, begin by opening the PhonePe app and selecting the UPI Circle feature on the main screen.To add a trusted person, select ‘Invite Secondary Contact’ and enter their UPI ID or scan their QR code.Once the secondary contact accepts your invite, they’ll gain access to your account for making payments, with controls and limits set by you.

Piyush Goyal calls IMEC a 'modern Silk Route'; says will help cut logistics cost by 30%

He suggested that common digital payment systems, such as India’s UPI, could serve as a model for enabling seamless financial transactions.

New Delhi. Union Commerce Minister Piyush Goyal positioned the India-Middle East-Europe Economic Corridor (IMEC) as a transformative “modern-day Silk Route”, which has potential to slash global logistics costs by 30% and transportation time by 40% through public-private collaboration.The minister was speaking at a high-level roundtable in New Delhi on Wednesday.“This isn’t just about trade routes; it’s about linking civilizations while cutting costs and carbon footprints,” Goyal stated, underscoring IMEC’s blend of economic ambition and cultural diplomacy.IMEC aims to create seamless trade linkages

across Asia, the Middle East, and Europe, with plans to extend connectivity to Africa. The corridor will integrate railways, roadways, energy pipelines, and undersea cables, fostering what Goyal termed a partnership of equals prioritizing sustainability and digital innovation. "India is already in discussions with Singapore on clean energy transmission. We are also engaged in dialogue with Saudi Arabia and the UAE,” said the minister.However, Piyush Goyal stressed that IMEC’s success hinges on a Public-Private Partnership (PPP) model, urging private players to lead planning for cost efficiency and innovation.“Governments alone cannot deliver this vision. The private sector’s expertise will ensure smarter solutions and financial viability,” he said.Goyal highlighted the need to focus on Regulatory Connectivity, going beyond just physical infrastructure, for IMEC to be successful. He advocated for greater



alignment in trade processes, customs procedures, and paperwork among participating nations.He cited India’s ongoing regulatory collaboration with the UAE as an example and pointed out that the successful implementation of the corridor would require seamless cross-border movement without excessive checkpoints. Interoperable systems, digitisation, electric vehicle charging ecosystems, and synchronised regulations would be key to unlocking economies of scale.He suggested that

common digital payment systems, such as India’s Unified Payments Interface (UPI), could serve as a model for enabling seamless financial transactions.Goyal underlined the need for Innovative Financing Models to support both the development of the corridor and the trade it will generate. He called for active involvement of multilateral financial agencies and suggested exploring instruments like green bonds and the creation of long-term “IMEC Bonds”, to fund this transcontinental infrastructure in a sustainable and future-proof manner. With China’s Belt and Road Initiative facing scrutiny, IMEC emerges as a sustainable alternative focused on mutual trust and inclusivity. The project aligns with India’s strategic partnerships in the Gulf and Europe and reinforces its role as a global bridge under the ethos of Vasudhaiva Kutumbakam (the world is one family).



# Fire safety certificate denied to LNJP hospital due to major safety lapses

**NEW DELHI.** Delhi government's largest public hospital, Lok Nayak Jai Prakash Narayan (LNJP), has failed to secure a renewal of its fire safety certificate after the Delhi Fire Services (DFS) flagged multiple violations across its buildings during a recent inspection. With summer approaching its peak, the lapses, which include blocked staircases, missing firefighting equipment, and non-functional smoke management systems, have raised concerns over patient and staff safety as the rising temperatures and increased electricity demand during this season often lead to a surge in fire incidents.

According to the DFS, a comprehensive inspection of various hospital blocks was conducted on March 25 and 26 in the presence of Public Works Department (PWD) officials. The findings revealed that the hospital has not complied with several fire safety norms, making it ineligible for the mandatory certification. In the Casualty OPD and Surgical Block, inspectors noted

that the six-meter-wide road essential for fire tender movement was not clearly provided as per the DFS' report. One staircase in the Surgical Block was found blocked with dumped waste materials, which could seriously hamper evacuation during an emergency. Exit signage was inadequate, and several hydrant boxes were missing hoses and branches. Parts of the Casualty Block were under renovation, with firefighting systems temporarily disconnected.

The BL Taneja and MRD blocks were also found lacking, with Manual Call Points (MCPs) non-functional and firefighting hoses missing in several locations. The basement smoke management system in the MRD block was non-operational, and electric wires were found hanging haphazardly. Officials also noted fire safety



gaps in the OT and Ortho Blocks, where Public Address systems and basement smoke management units were non-functional. The diesel engine was not set to auto mode, hindering automatic emergency responses. The six-meter road around the Ortho Block, required for fire tender access, was encroached upon by parked vehicles, sheds and tree branches.

The New Special Ward exhibited multiple

violations, including non-functional PA systems, missing door closers on fire check doors, and incomplete firefighting provisions.

"It was informed during the inspection that renovation work is ongoing on several floors. Still, it doesn't justify the lack of basic fire safety preparedness," a PWD official said.

In its report, the DFS concluded that the renewal of the Fire Safety Certificate for the hospital "cannot be considered" until full compliance is ensured. LNJP sees an estimated daily footfall of over 5,000 patients in its OPD and IPD units. Just last year in June, a tragic fire at a children's hospital in Vivek Vihar, known as Baby Care New Born Hospital, resulted in the deaths of seven newborns. The authorities later found blatant disregard of fire safety norms at the hospital.

## What happens to BluSmart wallet money as cab company suspends bookings

**NEW DELHI.** BluSmart, India's first cab service with an all-EV fleet, has discontinued bookings. Customers of BluSmart, which is appreciated for its clean cars and courteous drivers, have been worried about what happens to the unused money in their wallets.

A Delhi-based BluSmart customer, Jasdeep, tried booking the cab but didn't find a slot. "All booking slots were disabled," Jasdeep told India Today Digital. "But what happens to the unused money in my BluSmart wallet," she asked. When asked to refund the money, BluSmart support responded.

I would like to inform you that the amount has lifetime validity and will remain in your account. You can use this amount to book a ride for someone else, as it has been added to your wallet for a long time". Then, it was informed that there were no future slots.

"I would like to inform you that I am raising your request to refund in the source amount with the relevant team and stay assured your amount will be refunded within 5-7 working days. I request you to wait for the given time frame and then check for the same."

There were several BluSmart users, like the Delhi-based woman, who had Rs 746 in her wallet, who had the same question.

"Okay, so BluSmart is off, but what about the money in the BluSmart wallet? How do we get that refunded?" asked marketing professional, Ritambhara Agarwal. "To date, I have used BluSmart, every day for about a year. I refused to buy a car because it was so good. In Jan, I put 30K in the wallet because they gave 10% cashback. I have 18.5K left in it, and my dad has 6K in his account. Will they return the money?," Jalal Jain, a consultant, shared on X.

"BluSmart is not letting any existing booking change and not allowing any further booking. 5k in wallet and over 2k as Elite Subscription lost without any update from the team. Shameful," posted another person on X on Thursday.

## Fire breaks out at residential building in Delhi's Shaheen Bagh; no casualties reported



**NEW DELHI.** A fire broke out at in a residential building in the Shaheen Bagh area of Delhi on early Thursday. It was brought under control within two hours, officials said. The fire department received information regarding the blaze at 2.14 am near Nana Road, Shaheen Bagh in Delhi. Eight fire tenders were rushed to the spot and the fire was brought under control around 4 am, a fire official said.

The fire reportedly originated in domestic articles and engulfed three to four cars parked in the stilt parking area of the building. The building is a ground plus four-storey residential building with a stilt-level parking facility. No casualties have been reported, the fire official added.

## Heatwave warning in Rajasthan, Gujarat for 3 days; rain likely in north and east

**NEW DELHI.** The weather department has issued a heatwave warning for some parts of Rajasthan and Gujarat for three days till April 19 (Saturday) and rainfall in parts of north, east and Northeast India for the next few days. Delhi, which recorded a maximum temperature of 39.1 degrees Celsius on Wednesday, is not expected to witness any heatwave conditions for now, the India Meteorological Department (IMD) said. On Thursday, Delhi is expected to witness a clear sky and the maximum and minimum temperatures are likely to be 38 and 26 degrees Celsius, respectively.

From April 18 to 23, the mercury may go as high as 39 degrees Celsius with mainly clear skies, the IMD said. Heatwave conditions are expected to persist in parts of



west Rajasthan on April 17 and 18, east Rajasthan from April 17 to 19 and Gujarat on April 17 (Thursday), the weather body said in its bulletin.

Dust storm or thunderstorm is predicted at isolated places in east Rajasthan on April 17.

**RAINFALL FORECAST**

With a western disturbance set to affect the northern region from April 17 to 20, heavy rainfall is likely at isolated places in Jammu and Kashmir, Ladakh and Himachal Pradesh on April 18 and 19, according to the IMD.

Isolated rainfall along with thunderstorms and gusty winds with speeds touching upto 40 kmph is predicted over the remaining parts of northwestern India from April 18 to 20, the weather body said.

In southern India, light or moderate rainfall is predicted in Tamil Nadu, Puducherry, Karaikal, coastal Andhra Pradesh, Yanam, Rayalaseema, Telangana and Karnataka during the next five days. Rain is also likely in Kerala and Mahe from April 17 to 19. Heavy rainfall is predicted in the eastern parts of the country - such as in Bihar, Assam and Meghalaya on April 17 and again from April 20 to 22, and Arunachal Pradesh from April 20 to 22, the IMD said. Thunderquall with wind speeds reaching upto 60 kmph are likely in parts of West Bengal and Bihar on April 17 and 18.

The IMD said rain is also predicted in the plains of Vidarbha (Maharashtra) and Chhattisgarh on April 17 and 18.

# Dwarka court evacuated after bomb threat, nothing suspicious found

The entire premises were thoroughly checked, both manually and with the aid of sophisticated equipment and a dog squad.

**NEW DELHI.** Dwarka court in southwest Delhi was briefly evacuated on Friday after receiving a bomb threat via email, prompting a swift response from Delhi Police.

According to officials, the email, received around 3.11 am, claimed that an RDX-based explosive device had been planted at the court. However, later it turned out to be a hoax, police said. Inspector Jitender Kumar alerted the Dwarka Court police post about the threat around 10.50 am, following information from head constable Ujjwal. The bomb threat was brought to the attention of the Chief Judicial Magistrate (CJM) through her reader

when the court opened. In response, local police, senior officers and a bomb



disposal squad (BDS) were quickly deployed to the scene. The entire premises were thoroughly checked, both manually and with the aid of sophisticated equipment and a dog squad.

However, no suspicious items were found and the court resumed normal operations, said officials. The bomb threat led to judicial proceedings being halted and the emptying of courtrooms.

Earlier this month, similar hoax bomb threats targeted the Red Fort and Jama Masjid in central Delhi, leading to extensive security checks. These threats, which were later determined to be false, prompted bomb disposal teams from Delhi Police and CISF to conduct searches, but no explosives were discovered. This follows a series of bomb threats in December last year, which targeted several schools in the capital.

# Parents protest outside Delhi DoE's office over fee hike, demand rollback

**NEW DELHI.** A day after Chief Minister Rekha Gupta announced that the government would adopt a zero-tolerance policy against fee hike several parents staged a protest outside the Delhi Directorate of Education office on Wednesday. They demanded an immediate rollback of the increased school fees and urged authorities to intervene. There have been long-standing complaints by parents and guardians against "irregular and exorbitant" fee hikes by private unaided schools in the national capital.

They have also alleged coercive practices by schools, including denial of admit cards for board examinations and threats to strike off names of students over non-payment of what they describe as unauthorised fees.

Carrying placards with slogans like "Loot machana bandh karo (Stop looting)" and "Schools ki manmani

band karo, hamari fees kam karo (Stop arbitrary actions, reduce our fees)," parents claimed that fee hikes were being implemented without prior notice or official approval.

They accused the schools of



commercialising education and ignoring the financial stress faced by families. "My daughter studies in Class 9. Her school increased the fee without any notice or approval. When we try to meet the principal, we are either turned away or made to wait for weeks. And

when we finally meet them, they say — if you can't pay, take your child out of the school," said one of the parents.

Another protester demanded not only a rollback of the recent fee hikes but also compensation for fee increases implemented over the past few years. "The school claims it has been running at a loss for the past four to five years and justifies the fee hike as a way to cover that," he added.

Several parents also alleged that students were mentally harassed if fee payments were delayed. "Children are humiliated during school assemblies, and it affects them psychologically. How long will this go on?" asked Nitin Gupta, a parent. Atulshree Kumari, another parent, said, "Last year, the school increased the fee by 30%. When we tried to negotiate, we were told nothing could be done. We are all suffering. How can parents manage when two or three of their children study in the same school?"



complaint at the police station. According to Superintendent of Police Vidya Sagar Mishra, three police teams were formed to trace the unidentified accused. "During the arrest attempt, the accused opened fire with intent to kill. In retaliatory firing by the police, he sustained injuries and was subsequently arrested," Mishra said. Dan Singh, son of Harpal Singh, confessed during interrogation. Police said his involvement is corroborated by electronic evidence and CCTV footage, which showed him approaching and leading the minor away.

The survivor has been referred to Meerut Medical College for specialised treatment. Officials confirmed that injury marks were found on her body. A case has been registered under Section 65(2) of the Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS) and Sections 5m/6 of the PoCSO Act.

# Delhi HC criticises DPS Dwarka for 'inhuman' treatment of students over fees

**Justice Sachin Datta, who heard the case, was deeply concerned by reports that students were locked in the school library and stopped from attending regular classes.**

**NEW DELHI.** The Delhi High Court on Wednesday strongly criticised Delhi Public School, Dwarka, for its alleged mistreatment of students whose families were unable to pay an increased school fee. The court called the school's actions "inhuman" and said such behaviour has no place in an educational institution.

Justice Sachin Datta, who heard the case, was deeply concerned by reports that students were locked in the school library and stopped from attending regular classes. "This school seems to care more

about profit than education," he said, adding that the students were being treated "like chattel."

The remarks came during a hearing on a petition filed on behalf of the affected students. In an emotionally charged courtroom, several students appeared in full school uniform, clutching books and bags, accompanied by their visibly distressed parents. "I am disturbed by the way these children were treated," said the judge. "Just because a family is struggling to pay fees doesn't mean the school can take away a child's dignity."

The court looked at a report by an eight-member committee, led by the District Magistrate (Southwest), which had visited the school. The report described unfair treatment of students during the fee dispute. It said the students were separated from others, not allowed into classrooms, and denied access to

school facilities because their parents failed to pay what was called an "unauthorised fee." Parents said the school staff mentally harassed their children and didn't allow them to attend



lessons or speak to their friends. Justice Datta said immediate steps must be taken to protect the students' mental and emotional health. "No student should be confined or treated differently. They must be allowed to attend all classes and use school facilities without

discrimination," the judge ordered. He also warned, "This kind of conduct could lead to criminal charges against the principal. The school should be held accountable at the highest level." The Directorate of Education, representing the Delhi government, informed the court that a showcase notice had been issued to the school on April 8. The notice demanded an explanation within seven days as to why the institution should not face derecognition for its actions. Meanwhile, counsel for the students assured the court that they were prepared to pay the legitimate, approved fees. The school's representative, however, maintained that repeated notices had been sent since December, warning parents of non-payment. According to the school, the students had failed to settle their dues by March, prompting the school to deny them access.



NEWS BOX

Trump, Musk, Yunus among Time's 100 most influential people, no Indian in list

**world.** US President Donald Trump, tech magnate Elon Musk, UK Prime Minister Keir Starmer and Bangladesh's Chief Advisor Muhammad Yunus are among the prominent names featured in the Time Magazine's 100 Most Influential People of 2025 list. However, no Indian featured in the Time Magazine's list, a noteworthy absence considering previous appearances.Last year, actor Alia Bhatt and Olympian wrestler Sakshi Malik were among the few Indians who featured in the Time Magazine's list. Microsoft CEO Satya Nadella, World Bank President Ajay Banga and actor Dev Patel were the few Indian-origin people who made it to the list.Several prominent world leaders find their way onto the list, which include Mexican President Claudia Sheinbaum, US Commerce Secretary Howard Lutnick, US Vice President JD Vance, WHO chief Tedros Adhanom Ghebreyesus, Germany's conservative leader Friedrich Merz and South Korean leader Lee Jae-myung. Notably, Yunus, 84, a Nobel laureate, is the oldest to feature in the list.

US Secretary of Health and Human Services Robert F Kennedy Jr, Argentinian President Javier Milei, and Ahmed al-Sharaa, who led a rebellion to oust autocratic Syrian President Bashar al-Assad last year, also made it to this year's Time Magazine's list.

Despite no Indian featuring in the list, Indian-origin CEO of Vertex Pharmaceuticals, Reshma Kewalramani, found herself in the top 100 list. Emigrating from India at the age of 11, Kewalramani became the first woman CEO of a major biotechnology company in the US.

10 guards indicted after New York inmate beaten to death inside prison

**world.** At least 10 New York prison guards have been indicted after 22-year-old inmate Messiah Nantwi was allegedly beaten to death at Mid-State Correctional Facility. Two of the officers are facing second-degree murder charges, while others face charges ranging from manslaughter to covering up the incident, the Associated Press reported.

According to prosecutors, Nantwi died on March 1 following a brutal series of beatings by guards that began in his cell and continued into the prison infirmary—even after he had been handcuffed and was lying on the floor.Six of the officers are accused of directly assaulting Nantwi, while four others allegedly took part in a cover-up that included planting a weapon, falsifying reports, and cleaning up the crime scene to conceal evidence.All 10 officers have pleaded not guilty. Those facing the most serious charges include officers Jonah Levi and Caleb Blair, who are charged with second-degree murder, as well as three others—Thomas Eck, Craig Klemnick, and Daniel Burger—who face first-degree manslaughter charges.Two supervising sergeants, Francis Chandler and David Ferrone, are charged with second-degree manslaughter for allegedly failing to intervene during the attack.

All 10 officers implicated in Nantwi's death have either resigned or been suspended without pay. Governor Kathy Hochul has directed the Department of Corrections to begin formal termination proceedings. Nantwi had been serving a five-year sentence for a 2021 gun-related conviction after an armed confrontation with police. Authorities in Manhattan have also linked him to two fatal shootings in Harlem last year, one of which allegedly stemmed from a dispute inside a smoke shop.

Iran 'not far' from nuclear bomb, warns UN watchdog chief Rafael Grossi

**world.** The chief of the United Nations nuclear watchdog, Rafael Grossi, has warned that Iran is edging dangerously close to developing a nuclear weapon. The statement came just hours before his arrival in Tehran for critical discussions with Iranian officials about the country's contentious nuclear program.

Speaking to French newspaper Le Monde, Grossi compared Iran's nuclear progress to assembling a jigsaw puzzle. “They have the pieces, and one day they could eventually put them together,” he said, adding, “There’s still a way to go before they get there. But they’re not far off, that has to be acknowledged.”

Grossi, who leads the International Atomic Energy Agency (IAEA), emphasized the need for verifiable assurances rather than just verbal denials. “It’s not enough to tell the international community ‘we don’t have nuclear weapons’ for them to believe you. We need to be able to verify,” he stated.The IAEA remains tasked with monitoring Iran's nuclear activities and its compliance with the 2015 nuclear agreement, which began to unravel in 2018 following the US withdrawal under then-President Donald Trump. Since then, Iran has significantly ramped up its uranium enrichment activities.Despite Washington's firm stance, Iran maintains that its program is purely civilian. “Iran’s enrichment is a real, accepted matter,” Iranian Foreign Minister Abbas Araghchi said. “We are ready to build confidence in response to possible concerns, but the issue of enrichment is non-negotiable.”Grossi's visit coincides with heightened diplomatic activity, as Iran and the United States prepare for a second round of direct talks scheduled for Saturday.The first meeting, held in Oman, was described by both parties as “constructive.” Iran’s Supreme Leader even commented that the negotiations were “going well,” though Tehran has since sent a delegation to Moscow for consultations with Russia.Following the high-level talks, Trump emphasized that "Iran has to get rid of the concept of a nuclear weapon. These are radicalized people, and they cannot have a nuclear weapon."

Israel says its troops to stay in Gaza, Lebanon and Syria indefinitely

**Jerusalem** Israel’s defence minister said on Wednesday that troops will remain in so-called security zones in the Gaza Strip, Lebanon and Syria indefinitely, remarks that could further complicate talks with Hamas over a ceasefire and hostage release.Meanwhile, Israeli strikes across Gaza killed another 22 people, according to local health officials, including a girl who was not yet a year old. The girl’s mother, who was wounded, embraced her daughter, still wearing a bloodied blue dress, before she was taken for burial.Israeli forces have taken over more than half of Gaza in a renewed campaign to pressure Hamas militants to release hostages after Israel ended their ceasefire last month. Israel has also refused to withdraw from some areas in Lebanon following a ceasefire with the Hezbollah militant group last year, and it seized a buffer zone in southern Syria after rebels overthrew Syrian President Bashar Assad in December.“Unlike in the past, the (Israeli military) is not evacuating areas that have been cleared and seized,”

Defence Minister Israel Katz said in a statement. The military “will remain in the security zones as a buffer between the enemy and (Israeli) communities in any temporary or permanent situation in Gaza — as in Lebanon and Syria.”The Palestinians and both neighbouring countries view the presence of Israeli troops as military occupation in violation of international law.Lebanese president Joseph Aoun said that Israel’s continued presence in some areas in Lebanon was “hindering” the Lebanese army’s full deployment as required by the ceasefire negotiated with Israel.Two Israeli drones strikes on Wednesday in southern Lebanon killed two people, the health ministry said. The UN said Israeli strikes in Lebanon have killed more than 70 civilians since the ceasefire took effect in November.Hamas has said it will not release dozens of remaining hostages without a complete Israeli withdrawal from Gaza and a lasting ceasefire.They promised that the hostages come first. In practice, Israel is choosing to



seize territory before the hostages,” the main organisation representing families of the hostages said in a statement. “There is one solution that is desirable and feasible, and that is the release of all the hostages at once as part of an agreement, even at the cost of ending the war.”Israel says it must maintain control of what it refers to as security zones to prevent a repeat of Hamas’ Oct. 7, 2023, attack in which thousands of militants stormed into southern Israel from Gaza, killing some

1,200 people, mostly civilians, and abducting 251.Israel’s offensive has killed over 51,000 Palestinians, according to Gaza’s Health Ministry, which does not say how many were civilians or combatants but says women and children make up more than half of the dead. Israel says it has killed some 20,000 militants, without providing evidence.

**‘EVERY DAY, CHILDREN’**  
Ahlam Seiam’s family had planned to celebrate her first birthday later this month. Then the Israeli strike hit the building where they had pitched a tent on the roof. Her grandfather, Nashat, said the family was awakened by a blast overnight. When he raced to the roof, he found his son, Mohammed, sobbing.“I found her like this,” he said as he held the girl’s body.Associated Press footage showed the mother, wrapped in bandages, cradling her daughter one last time in the hospital bed.Israel says it only targets militants and blames Hamas for civilian deaths because its fighters operate in residential areas.

El Salvador bars US Senator from meeting Kilmar Abrego Garcia

**world.** Democratic US Senator Chris Van Hollen stated that the El Salvador government had refused him access to Kilmar Abrego Garcia, the Salvadoran man who was wrongly deported from the US. Van Hollen had gone to El Salvador to visit officials and demand the release of Abrego Garcia.

But when he got there, he was told by the Vice President, Felix Ulloa, that he could not approve a visit or a phone call with the man.Van Hollen, a member of the US Senate Foreign Relations Committee, said that El Salvador’s government was not allowing Abrego Garcia's release because the United States was financially supporting his imprisonment.He questioned, "Why should the government of the United States pay the government of El Salvador to lock up a man who was illegally abducted from the United States and committed no crime?"

WHITE HOUSE RESPONDS TO VAN HOLLENPress Secretary Karoline Leavitt denounced the senator's

actions, saying that he was spending taxpayers' money to advocate for the release of "a deported illegal alien MS-13 terrorist."She added, "It's appalling and sad that Senator Van Hollen and the Democrats applauding his trip to El



Salvador today are incapable of having any shred of common sense or empathy for their own constituents and our citizens."The US Supreme Court has directed the Trump administration to facilitate Abrego Garcia's return, after Washington acknowledged he was deported due to an administrative error.In a meeting with President Donald Trump at the White House on Monday, El Salvador's president,

Nayib Bukele, said he had no plans to return Abrego Garcia. The US Department of Homeland Security has separately said it does not have the authority to bring the man back to the United States.

Abrego Garcia, 29, left El Salvador at age 16 to escape gang-related violence, his lawyers said. He was granted a protective order in 2019 to continue living in the US and has never been charge with or convicted of any crime.

His lawyers have also denied the Justice Department's allegation he is a member of the criminal gang MS-13.

Along with Abrego Garcia, the Trump administration has deported hundreds of people, mostly Venezuelans, whom it says are gang members, to El Salvador under the Alien Enemies Act of 1798 without presenting evidence and without a trial.Neither government has released the names of the men incarcerated, and the men have not had access to lawyers or any contact with the outside world since arriving at the prison, lawyers have said.

US Homeland Security Department threatens to revoke Harvard's ability

**NEW YORK/WASHINGTON.** The US Department of Homeland Security (DHS) has threatened to revoke Harvard University's ability to enrol foreign students if it failed to provide by April 30 records on its international student visa holders' "illegal and violent" activities. It also cancelled grants totalling more than USD 2.7 million to Harvard University.

The latest action from the Trump administration against Harvard comes on the heels of a USD 2.2 billion federal funding freeze because the university rejected a list of demands. The administration also proposed the revocation of the university's tax-exempt status over its radical ideology. "Department of Homeland Security Secretary Kristi Noem announced the cancellation of two DHS grants totalling over \$2.7 million to Harvard University, declaring it unfit to be entrusted with taxpayer dollars," the DHS said in a statement on Wednesday. "The Secretary also wrote a scathing letter demanding detailed records on

Harvard's foreign student visa holders' illegal and violent activities by April 30, 2025, or face immediate loss of Student and Exchange Visitor Program (SEVP



certification," it said. "Harvard bending the knee to antisemitism, driven by its spineless leadership, fuels a cesspool of extremist riots and threatens our national security," said Secretary Noem."With anti-American, pro-Hamas ideology poisoning its campus and classrooms, Harvard's position as a top institution of higher learning is a distant memory. America demands more from universities entrusted with

taxpayer dollars," she said.

The DHS said the grants being cancelled were the USD 800,303 Implementation Science for Targeted Violence Prevention grant and the USD 1,934,902 Blue Campaign Program Evaluation and Violence Advisement grant.Since Hamas's October 7, 2023, attack on Israel, Harvard's foreign visa-holding rioters and faculty have "spewed antisemitic hate", targeting Jewish students, the statement said.

"With a USD 53.2 billion endowment, Harvard can fund its own chaos?DHS won't," the statement said.

"If Harvard cannot verify it is in full compliance with its reporting requirements, the university will lose the privilege of enrolling foreign students," the statement added.

With 6,793 international students attending Harvard, they comprise 27.2% of its enrolment in the 2024-25 academic year, according to the university's data.

Hackers mocks Musk, Zuckerberg with fake messages on crosswalks

**world.** Over the weekend, people walking through parts of Silicon Valley got an unexpected surprise. Instead of the usual "walk" or "wait" messages at crosswalks, they heard strange voice recordings that sounded like Elon Musk and Mark Zuckerberg.The prank occurred in Palo Alto, Menlo Park, and Redwood City. Viral videos shows pople laughing as the crosswalks played messages to mock the tech billionaires. Nobody knows yet who is responsible for the hack or how they did it, but by Monday, the fake messages had disappeared.In one video, a woman presses the button at a crosswalk that had been changed to read "Boycott Tesla." After the customary message, a voice sounding like Elon Musk is heard."You know it's funny, I used to think he was just this dumb sack of [expletive]," the fake Musk voice says, apparently talking about Donald Trump.

"But, well, when you get to know him, he's actually really sweet and tender and loving."Then a Trump-like voice



replies, "Sweetie, come back to bed."Another clip from Menlo Park features a Zuckerberg-like voice talking about artificial intelligence.

"Hi, this is Mark Zuckerberg, but real ones call me the Zuck," the voice says."You know, it's normal to feel uncomfortable or even violated as we forcefully insert AI into every facet of your conscious experience There's absolutely nothing you can do to stop it. Anyway, see ya."

**HISTORY OF TRAFFIC HACKS RESURFACE**  
Officials are investigating the case and coordinating with city officials in order to stop it from being repeated. This type of cyber prank is not new. In the 2016 US elections, traffic signs in cities like Dallas were hacked to post political jokes—some favouring Donald Trump, others in favor of Bernie Sanders. A Virginia sign said "VOTE TRUMP" and "CROOKED HILLARY."

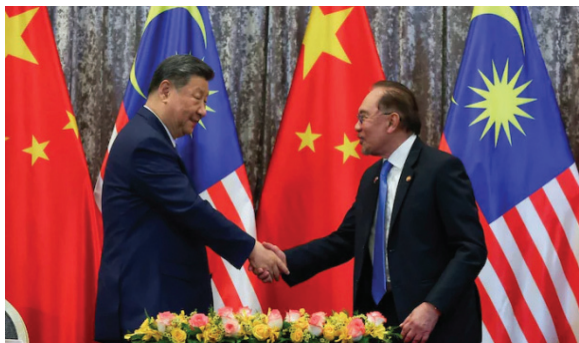
California has a history of this sort of stunt. In 2011, one sign alerted motorists to the presence of a "Loose Gorilla." In 2015, another cautioned, "Smoke weed everyday." And two L traffic engineers in 2007 were accused of shutting down signals as part of a union controversy.

China's Xi Jinping backs Southeast Asian nations to counter Trump tariffs

**world.** Chinese leader Xi Jinping told Malaysia's leader Wednesday that China will be a collaborative partner and stand with its Southeast Asian neighbors in the wake of global economic shocks.“In the face of shocks to global order and economic globalization, China and Malaysia will stand with countries in the region to combat the undercurrents of geopolitical... confrontation, as well as the counter-currents of unilateralism and protectionism,” Xi, who was on a state visit to Malaysia as part of his Southeast Asia tour, said in remarks at a dinner with Malaysian Prime Minister Anwar Ibrahim.Xi is visiting Vietnam, Malaysia and Cambodia this week, days after US President Donald Trump’s tariff announcements disrupted the global economy, and he has used the trip to promote Beijing as a source of stability in the region. Although the trip was likely

planned before the tariffs uncertainty, it was a chance for Beijing to shore up its own relationships in the region and look for ways to mitigate the 145% tariffs that Trump has kept on China, even as he paused tariffs for other countries.Malaysia's leader was effusive in his welcome of Xi and praised China as a leader, while issuing thinly veiled criticism against the US.“What we are witnessing today is not an honest reckoning with the imperfections of globalization, but a retreat into economic tribalism. Market access is being weaponized,” Ibrahim said. "In these trying times, the world yearns for steadiness, reliability and a common purpose. We see this in China’s conduct.”Xi has promised Malaysia and Vietnam greater access to Chinese markets on his visits, although few details were

shared. He said in his meeting with Ibrahim he hoped to sign a free trade agreement between China and the 10-member



Association of Southeast Asian Nation “as early as possible” and counter the US decision to decouple the two economies, according to a readout from Chinese state broadcaster CCTV.He also mentioned

further developing cooperation in green tech and artificial intelligence in his meeting with Malaysia’s king, Sultan Ibrahim Iskandar, on Wednesday, according to the official Xinhua News.China and Malaysia signed several memorandums on cooperation, including on services and trade, the continued development of two industrial parks — one in China and one in Malaysia, and on agricultural exports to China.Malaysia is home to several Belt and Road Initiative projects, including a \$11.2 billion Chinese railway project, which Xi discussed in his meeting with the king. China is also its largest trading partner and a top source of foreign direct investment.Xi kicked off his tour with a state visit to Vietnam, and arrived in Kuala Lumpur, Malaysia’s capital, for a three-day



NEWS BOX

Did RR choose wrong batters for Super Over DC captain Axar Patel surprised

**New Delhi .** While criticism is still mounting over the Rajasthan Royals’ Super Over decisions against Delhi Capitals, even Axar Patel admitted he was quite surprised that RR did not send Yashasvi Jaiswal out to bat. Jaiswal had been one of Rr’s two standout batters alongside Nitish Rana in the April 16 clash, yet both were overlooked in favour of Riyan Parag and Shimron Hetmeyer during the Super Over. Speaking at the post-match press conference, DC skipper Axar Patel revealed that both he and his team expected Jaiswal to walk out first for the Super Over."Hetmyer wasn't able to connect in the match either...So I felt Jaiswal and Riyan would come out. But it worked out well for



us, whoever they sent out," Axar Patel said. Chasing 188 against DC, it was Jaiswal’s 51 off 37 and Rana’s 51 off 28 that carried most of RR’s batting effort. The rest of the Royals’ batters, including Parag and Hetmeyer, failed to provide support — with Parag getting dismissed for just 8 and Hetmeyer unable to finish the game at the death.Despite that, RR opted to go with Parag and Hetmeyer as their first-choice batters for the Super Over against Mitchell Starc, while Jaiswal was slotted in as the third batter.Even after getting one boundary each, Parag and Hetmeyer failed to handle Starc’s lethal bowling and managed to score only 11 runs.In response, DC’s calm and clinical duo of KL Rahul and Tristan Stubbs chased the target down with ease, sealing the win with two balls to spare.

DC's KL Rahul calls out Yashasvi Jaiswal's dismissal by Kuldeep Yadav

**New Delhi .** Delhi Capitals’ star wicketkeeper-batter KL Rahul delivered yet another moment of game-reading brilliance during his side's clash against Rajasthan Royals on April 17. While Rahul has been a key figure in DC’s strong run in the ongoing IPL 2025 — both with the bat and his sharp presence of mind behind the stumps — he gave fans another example of the latter as he played a pivotal role in dismissing an in-form Yashasvi Jaiswal on Wednesday.Chasing 188 against DC, it was Jaiswal's 51 off 37 and Nitish Rana's 28-ball 51 that gave RR some momentum, while the rest of the batting unit faltered.Just before the second ball of the 14th over, Rahul, stationed behind the



stumps, suggested to Kuldeep Yadav to keep the ball straight on the line to Jaiswal. He even pointed out Mitchell Starc’s position at long-on. As predicted, Jaiswal danced down the pitch looking for a six, only to mistime it and hand a catch to Starc — bringing his knock to an end. **Turning point triggered by Rahul** The dismissal turned out to be a key turning point in RR’s chase. With Jaiswal gone, the momentum shifted as Nitish Rana was left to carry the innings with little support from the remaining batters.The match eventually led to the IPL’s first Super Over since 2021, where DC clinched the win comfortably. Rahul’s impact, however, extended beyond his sharp match awareness from behind the stumps. He also contributed a crucial 38 off 32 during DC’s innings and played a guiding role alongside Tristan Stubbs in the Super Over to steer his team to victory.

Champions League: Real Madrid's 'remontada' fails vs Arsenal, Bayern fall to Inter

- Mbappe's UCL dream stalled after Real fall to Arsenal
- Müller’s Champions League era ended after Bayern bow to Inter
- Martinelli’s late strike booked Arsenal’s semi-final with PSG

**New Delhi .** Kylian Mbappe's first year with Real Madrid could not see him live out his Champions League dream, as the defending champions failed to stage a "remontada" — or a comeback — against Arsenal in their quarter-final clash on April 17.On the other hand, Thomas Mller's long and successful chapter with Bayern Munich met its Champions League end after the side fell agonisingly short in their clash against Inter Milan.While Madrid had their stage set to pull off yet another Champions League comeback, Mikel Arteta's Arsenal proved to



be a challenge too much for Carlo Ancelotti's side. Despite a star-studded forward line including Kylian Mbappe, Rodrygo Goes, Vinicius Jr, and even Jude Bellingham, Los Blancos failed to make their attacking pushes count. They could not claw back from their 3-0 first-leg deficit.Meanwhile, Bayern Munich's valiant effort to extend Thomas Mller's Champions League journey came to an emotional end after they were knocked out 4-3 on aggregate by Inter Milan.

The second leg ended in a 2-2 draw. **No Bernabeu magic for Real Madrid** Real Madrid could not harness the iconic magic of the Santiago Bernabeu in the second leg against Arsenal. Mikel Arteta’s compact tactical setup proved too dense for the Los Blancos frontline to penetrate. Madrid’s attacks lacked the punch to trouble Arsenal goalkeeper David Raya — barring a Vinicius Jr goal in the 67th minute that equalised the second leg after Bukayo Saka

Hasan Ali apologises for 'King kar lega' remark to Babar Azam

**New Delhi .** Pakistan fast bowler Hasan Ali has apologised for his ‘King kar lega’ remark for Babar Azam from 2023. Hasan famously called Babar ‘King’ on a podcast just ahead of the ODI World Cup 2023 and the clip went viral all over social media. However, his comments haven’t aged well, as the former Pakistan captain has had a torrid time both as a player and skipper since then. Under his leadership, Pakistan put up dismal performances in the ODI and T20 World Cups back-to-back. Recently, Hasan recalled his viral remark during a press conference for the Pakistan Super League and said if people think he made a mistake by saying that, then he would apologise for it.“If people think that by saying ‘King nahi karega (King won’t do it)’ Babar will end up scoring runs, and then I am happy to say that. But in the past,



people have said a lot of things have happened. I can show you what all people

have said. He is our product. If you think I made a mistake by saying 'King Karlega,' then I apologize, but the statement remains the same. He was the best, is the best, and will bounce back soon. Everyone goes through tough times,” said Hasan in a viral video from press conference.Meanwhile, the Karachi Kings’ bowler has got his PSL campaign off to a terrific start, having picked up five wickets in the first two matches of the tournament. He bowled a magnificent spell of 4/28 against Lahore Qalandars in the second game and also scored 27 (25). However, his efforts ended in a losing cause as Qalandars won the match by 65 runs. Following their loss, they’re in fourth spot on the points table with one win from two matches. They will next take on Quetta Gladiators on April 18.

Putting on 7 kgs and shedding all of it: Manpreet Singh's weight loss journey

- Hockey star read up about Michael Phelps' preparation at the beginning of a new Olympic cycle before putting in place an elaborate diet plan

**CHENNAI.**After the Paris Games, Manpreet Singh let himself go. There were celebrations every other day. After refusing to go within a mile of anything sugary for years, the two-time Olympic medalist 'lost control'.Even as he drowned himself in 'kaju katli' and other sweets, he thought 'sab chalta hai (everything is okay)'. Everything, though, wasn't okay. When he turned up at the Asian Champions Trophy in Hulunbuir in the second week of September, the warm afterglow of the Paris medal was visible in multiple places,

including on the weighing machine. "I had touched 73kgs," he told this daily a week ago. "The heaviest I had ever been." He didn't have a eureka moment but he had felt that heaviness during the ACT in China, like a man carrying a piano while dribbling



out of midfield and running down both wings. "When we were playing in the Asian Champions Trophy, I felt heavy," he said. 'I realised if I want to play good hockey, I must focus on fitness first.'"Considering he harbors ambitions of playing prominent roles at the 2026 World Cup and LA 2028, the penny dropped. "I didn't want people to

think that I'm taking it easy or I have become slow," the midfielder said." So, the Cristiano Ronaldo fan read up about Michael Phelps' preparation at the beginning of a new Olympic cycle. He put in place an elaborate diet plan, downloaded an app to keep track of calories and fully embraced it."I started with fat burn (last November)," he said. "Monday to Saturday, I worked very hard and stopped junk food. I started counting calories, how much fat I was burning. I got very nerdy about it. Oatmeals and eggs for breakfast, chicken, green and rice for lunch and a chicken salad and milk before sleeping. He had one cheat meal per week."Diet, though, is just one part. "My workout routines mainly focused on the lower body and stomach because in hockey, you need that part to be strong. You can push yourself more, you get more strength and you can turn easily."The fruits of his labour was beginning to show at the Hockey India League in January. "I felt it during HIL. I wasn't feeling fatigued and I was quick and the body was recovering well."

Team India's batting, fielding coaches sacked after Australia series debacle

- BCCI sacks four staff members after BGT 2024–25 debacle in Australia
- Abhishek Nayar, T. Dilip, Soham Desai among those removed
- Major support staff changes ahead of India's England Test tour

**New Delhi .** Following India's humiliating defeat in the Border-Gavaskar Trophy 2024-25 in Australia, the Board of Control for Cricket in India (BCCI) has taken swift and decisive action by removing several

members of the team's support staff. Assistant coach Abhishek Nayar, who had been appointed just eight months ago, has been relieved of his duties. Alongside him, fielding coach T. Dilip and strength and conditioning coach Soham Desai have also been sacked. A team masseur has also reportedly been shown the door as part of the overhaul.With the appointment of Gautam Gambhir as India's new head coach after Rahul Dravid's tenure, the former India star brought in a big chunk of his coaching staff from Kolkata Knight Riders, including Nayar, Ryan ten Doeschate, and Morne Morkel.In response to India's batting struggles in home Tests against New Zealand and away in Australia, the BCCI brought in NCA and India A coach Sitanshu Kotak as the batting coach for the white-ball assignments earlier this year. Despite early setbacks, Gambhir and his coaching team bounced back strongly, guiding India to a Champions



Trophy title. Nayar, ten Doeschate, Morkel, Dilip, and Kotak were all key members of the support staff during the victorious campaign. While Nayar's stint with the India team comes to a close, the rest are still going to continue

had opened the scoring in the 63rd. Things only got worse for Los Blancos after Mbappe twisted his ankle in the 75th minute, and had to be replaced by Brahim Diaz, only for the Bernabeu to boo at him while he walked off.Gabriel Martinelli's stoppage-time strike sealed the win for Arsenal, who now gear up to face none other than Paris Saint-Germain in the Champions League semi-final on April 30. Mller's teary Champions League swansong Despite Bayern Munich’s attacking intent being on full display against Inter Milan, it wasn’t enough for the Bundesliga giants to book their ticket to the semi-final.Harry Kane opened the scoring in the 52nd minute to spark Bayern’s comeback hopes, following their 2-1 first-leg defeat. But Lautaro Martinez nullified it just six minutes later.Now donning Inter’s blue and black, Benjamin Pavard landed a painful blow to his former side in the 61st minute. Eric Dier pulled one back in the 76th, but the scoring stopped there.Despite a flurry of attacking runs from both sides, Inter advanced with a 4-3 aggregate victory. Mller, one of Bayern's longest-serving legends, received a standing ovation even at the San Siro — a poetic farewell on European football's grandest stage.

Hardik Pandya, Kieron Pollard have helped me stay calm under pressure: Naman Dhir

**New Delhi .** Naman Dhir credited Hardik Pandya and Kieron Pollard for helping him stay calm under pressure in crunch moments. The right-handed Mumbai Indians (MI) batter has mostly batted in the lower middle order in IPL 2025 and has scored 130 runs from six games at an average of 43.33 and a strike rate of 185.71. His top score of 46 came against Rishabh Pant's Lucknow Super Giants while batting at No. 3 in the only game that Rohit Sharma missed due to a knee injury. The 25-year-old Naman said that skipper Hardik and batting coach Pollard have constantly been guiding him."Right after the auction, (Mahela Jayawardene) MJ told me I'd be batting at 6 or 7, so I've been mentally preparing for that role ever since," Naman said in the press conference before the match against Sunrisers Hyderabad (SRH) on April 17 at the Wankhede Stadium in Mumbai."When it comes to guys like Pollard and Hardik, they're always in my ear, constantly guiding me. The biggest thing they've helped me with is staying calm under pressure. I'm learning what shots to play and when - all from their experience," Naman said.Naman said that MI team management has given him the freedom to go out and express himself rather than fear



failure."If I start fearing failure, it becomes tough to execute those shots in crunch situations. The management has been clear with me - they've said, 'We've got your back. Just go out there, express yourself, and play your game.'But they've also emphasized something important: there's a fine line between playing fearlessly and being reckless. That's the balance I'm always trying to maintain - for myself, and for the team," Naman added.Naman was also a part of MI last season when he scored 140 runs in seven matches at an average of 23.33 with a top score of 62 not out.





# Sharvari Joins Don 3 After Kiara Advani's Exit From Ranveer Singh's Much-Awaited Movie? Know Here

Don 3 Movie Heroine: Kiara Advani has reportedly exited Don 3 due to her pregnancy, with Sharvari likely to replace her. The film, directed by Farhan Akhtar, is expected to start filming by the end of the year.



**Don 3 Movie Update:** Amid reports that Kiara Advani has decided to exit Don 3 due to her pregnancy, it has now been reported that Sharvari is likely to replace the actress in the Farhan Akhtar directorial. If a recent report by Bollywood Hungama is to be believed, the makers of Don 3 are considering getting Sharvari on board. However, no final decision has been made as of now.

"Sharvari and one more actress were being considered. But she has managed to bag the role. The team at Excel Entertainment are excited to have her on board. Sharvari, too, is quite kicked to be a part of such a huge franchise and also because it's different from Alpha though both are slick action films," a source cited by the entertainment portal claimed.

Originally, Don 3 was supposed to star Ranveer Singh and Kiara Advani in the lead. However, the actress announced her pregnancy earlier this year, following which reports suggested that she had opted out of the film. According to a report by Pinkvilla, Kiara decided to step away from Farhan Akhtar's Don 3. A source cited by the portal claimed that she "chose to prioritise her personal life" over the film.

Meanwhile, talking about Sharvari, after the success of Munjya, the actress is currently working on next film – Alpha. Directed by Shiv Rawail, the film also stars Alia Bhatt in the lead. Previously, Sharvari talked about being a part of the project and said, "I love action as a genre and I binge-watch action movies with my sister! So, when I was offered Alpha, I jumped! In my head I always wanted to do action as an actor. So, I'm getting to live my dream."

# AR Rahman Addresses Health Scare, People Talking About His Separation From Saira Banu

AR Rahman is finally setting the record straight after recent buzz about his health and personal life made headlines. In a candid conversation, the Oscar-winning composer revealed that his hospital visit earlier this year wasn't as alarming as some reports made it seem but was just a gastric issue. Rahman cleared up the rumours that he had suffered chest pain. While the incident was minor, the outpouring of love from fans deeply moved him, he claimed. Rahman also talked about the unexpected pressure of having his private life in the public eye, especially in light of speculation around his separation from wife Saira Banu.

Talking about his health issues, the composer told India Today, "I was fasting and had even turned vegetarian. I got a gastric attack and was in the hospital. The next thing I got to know was that they had sent out a press note, and it was all there. It was, however, nice to get so many beautiful messages from people and realising that they do want me to live."

Talking about how he took his personal life being splashed across the media, Rahman said, "It's humanising. You tend to sometimes hate a person who doesn't feel human. I faced my ups and downs, and that's the truth. Each one of us has a special quality, they are a superhero in their home. But I was made a superhero by my fans. This is why I have named my upcoming tour 'Wonderment', because it's a wonder that I get so much love and blessings from people."

In case you missed it, AR Rahman and his wife Saira Banu parted ways in November 2024, ending their 29-year-long marriage. While it was a personal chapter closing, Rahman has been keeping busy with his music and upcoming commitments.

Looking ahead, the maestro is gearing up for his massive Wonderment world tour, which will take him to 18 cities across the United States. But before he jets off, he's bringing the magic home. The Wonderment tour kicks off on May 3 in Mumbai.



AR Rahman clarified his hospital visit was for a gastric issue, not chest pain, and addressed the pressure of public scrutiny on his personal life and separation from Saira Banu.

# Soha Ali Khan On Alia-Ranbir's Decision To Keep Raha Away From Public Eye: 'We Can't Fight Against It' | Exclusive



Last month, Ranbir Kapoor and Alia Bhatt put forth a request before the paparazzi regarding their daughter, Raha Kapoor. This came following the attack on Saif Ali Khan at his Bandra residence early this year. In an informal meet-and-greet with the media, Alia asked photographers not to capture Raha's face while taking pictures to ensure her safety. Now, speaking exclusively to News18 Showsha, Saif's sister and actor Soha Ali Khan – mother to seven-year-old Inaaya Naumi Kemmu – reacts to Ranbir and Alia's decision.

She tells us, "Of course, Kunal and I do [have had such conversations too!] But I feel that our relationship with the media, luckily, has been respectful. I remember this instance when we took Inaaya swimming and there were some paparazzi taking pictures. We requested them not to and they didn't. We've now seen that if parents request the media not to click pictures of their children, they don't. That respect exists here. In Hollywood, perhaps, it doesn't. We've thankfully not gone to that stage yet."

While Soha asserts that her child being clicked comes as 'part and parcel' of her profession, she says that children – if uncomfortable – should alert their parents about it. "We've chosen to be public figures, our children haven't. Therefore, I feel that they shouldn't be affected by it. Having said that, it's a part and parcel of life. We can't fight against it. It's more practical to accept it and to have that conversation with your child that there's a certain interest in you and these strange people are taking your pictures because of a certain reason," she remarks.

The Chhorii 2 actor further continues, "We should explain to them that they need not get worried or upset but if they're uncomfortable with it, we should talk about it and figure it out. When it comes to us, there's definitely that place to have this conversation. And with social media, parenting has come so much more challenging. We're navigating a whole different world where and so, we've to be a source of love and support for them."

# Kesari Chapter 2 FIRST Review Out: Akshay Kumar, R Madhavan Are 'Brilliant'; Film Deserves National Award



**Kesari Chapter 2 review:** The first reviews of Kesari Chapter 2 are looking good for Akshay Kumar's upcoming film. On Tuesday, political leaders praised the movie after a special screening in New Delhi. Union Minister Hardeep Singh Puri shared a detailed review, calling Kesari Chapter 2 a "powerful and moving tribute to India's freedom movement and the martyrs of Jallianwala Bagh." Delhi Chief Minister Rekha Gupta, too, praised the film as did entrepreneur and former actress Asin's husband, Rahul Sharma.

Delhi CM Rekha Gupta took to X to share photos with Akshay Kumar, R Madhavan and wrote in Hindi, "The film Kesari Chapter 2 presents the spirit of patriotism, courage, and sacrifice in a very impactful and emotional manner. Every scene is filled with pride and inspiration. Best wishes to Shri @akshaykumar, Shri @ActorMadhavan, and the entire team of #KesariChapter2. Thanks to Union Minister Shri @HardeepSPuri Ji for the invitation to the film screening."

Actress Asin Thottumkal, who worked with Akshay Kumar in Khiladi 786 and Housefull 2, shares a close bond with him and does her husband, entrepreneur Rahul Sharma. Rahul took to X to write, "We've all read about Jallianwala Bagh in history books, but nothing prepares you for the truth I witnessed today at the special screening of #Kesari2. I'm short of words for how deeply moved I am. This is content, deserving of a National Award. Brilliant performances by @akshaykumar and @ActorMadhavan. Don't miss it."

Union Minister for Petroleum and Natural Gas, Hardeep Singh Puri, too, praised the film. He wrote, "Kesari Chapter 2 is a powerful, deeply moving and evocative cinematic ode to India's freedom movement and to the martyrs of Jallianwala Bagh. This gripping narrative that transports you into the middle of the courtroom where Akshay Kumar essaying the role of lawyer Sir C." Directed by Karan Singh Tyagi, Kesari Chapter 2: The Untold Story of Jallianwala Bagh is based on the book The Case That Shook The Empire by Raghu Palat and Pushpa Palat. It will hit the big screens on April 18, 2025.